झारखण्ड देखो

Jharkhand Dekho

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 01 • अंक 310 • पृष्ठ 6 • रविवार 21 नवंबर 2021 Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

सतन आश्रम ट्रस्ट, धधकिया द्वारा संचालित

सतन आश्रम रामगोपाल शर्मा

गुरुकुलम

आपके बच्चों का उज्जवल भविष्य

नए सत्र में नवम् एवं दशम् वर्ग शुरू हो रहा है।

कक्षा - बाल वर्ग से अष्टम् वर्ग तक

माध्यम - हिन्दी एवं अंग्रेजी

(सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम)

कम्प्यूटर | मध्यान भोजन | प्रयोगशाला

फिनलैंड एवं भारतीय संस्कृति के माध्यम से अनुभवी शिक्षक द्वारा पढ़ाई की व्यवस्था

सत्र 2020-21 के लिए नामांकन प्रारंभ है।

• स्थान : सतन आश्रम, रामगोपाल शर्मा, धधकिया • सम्पर्क नं. - 8409399342, 7903712653 • www.rgsgurukulam.com

नक्सलियों के लिए आज होगा भारत बंद

धनबाद,चक्रधरपुर मंडल में ट्रैक पर ब्लास्ट

रांची/एजेंसी।

नक्सलियों का भारत बंद आज शुरू हो गया है। इससे पहले शुक्रवार देर रात नक्सलियों ने झारखंड के अलग-अगल जिलों में जमकर उत्पात मचाया। अब तक की सूचना के अनुसार, धनबाद और चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले रेलवे ट्रैक को निशाना बनाया गया है। रेलवे ट्रैक पर ब्लास्ट कर पटरियों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। इस कारण दोनों रेल मंडल की 24 से अधिक ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है। वहीं खूंटी जिले के रनिया में पोस्टर, बैनर लगाया गया है।

नक्सलियों ने धनबाद के रिचुछुटा-डेमू स्टेशनों के बीच 206/26-29 अप और डाउन लाइन पर बम ब्लास्ट कर रेल पटरियों को उड़ा दिया है। यह घटना शुक्रवार रात करीब 1:50 बजे की है। इसमें डीजल लाइट इंजन संख्या 70584 की एक ट्रॉली डिरेल हो गई है। साथ ही, अप और डाउन मार्ग पूरी तरह से बाधित हो गया है। करीब एक दर्जन सवारी और माल गाड़ियों का परिचालन ढप हो गया है। घटना की सूचना के बाद ऊ्रट आशीष बंसल समेत धनबाद रेल मंडल के कई वरीय अधिकारी स्पेशल ट्रेन से घटनास्थल पर पहुंचे हैं। रेल पटरी को ठीक कराया जा रहा है। मौके पर नक्सलियों ने पर्चे भी फेंके हैं।

• हावड़ा- मुंबई रेल मार्ग हुआ बाधित

कोल्हान प्रमंडल के अंतर्गत आने वाले पश्चिमी सिंहभूम जिले में चक्रधरपुर और सोनुआ स्टेशन के बीच लोटापहाड़ रेलवे स्टेशन के पास भी रेलवे ट्रैक पर ब्लास्ट कर रेल पटरियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। माना जा रहा है कि प्रमंडल में अपनी मौजूदगी का अहसास कराने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया गया है। ब्लास्ट में अप और डाउन दोनों रेलवे ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गए हैं। नक्सलियों की इस कार्रवाई में ट्रैक के कई स्लीपर को नुकसान पहुंचा है। रेल पटरी टेढ़ी हो गई है। बताया जा रहा है कि ब्लास्ट इतना जोरदार था कि रेलवे पटरी के नीचे एक से डेढ़ फीट तक गड्ढा हो गया है। ट्रैक क्षतिग्रस्त होने के कारण देर रात से ही हावड़ा-मुम्बई रेलमार्ग पर ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया है। फिलहाल चक्रधरपुर, सोनुआ, राजखरसावां आदि स्टेशनों में कई मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों को रोक दिया गया है। घटनास्थल पर रेलवे सुरक्षा बल, जिला पुलिस और उपद्धऋ के अधिकारी पहुंच चुके हैं। रेलकर्मी दोनों रेलवे ट्रैक को दुरुस्त करने का काम कर रहे हैं।

बता दें, नक्सली संगठन अपने शीर्ष नेता प्रशांत बोस उर्फ किशन दा उर्फ बुढ़ा और उसकी पत्नी शीला मरांडी की 12 नवंबर को हुई गिरफ्तारी के विरोध में बंद कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 15 नवंबर से 19 नवंबर तक प्रतिरोध दिवस मनाया था।

• कुछ ट्रेनों को किया गया रद्द

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, 18102 डाउन टाटा-जम्मूतवी एक्सप्रेस को वाया डेहरी ऑन सोन के लिए रवाना किया गया है। जबकि, 13348 डाउन पटना-बरकाकाना पलामू एक्सप्रेस को गढ़वा रोड स्टेशन पर रोक दिया गया है। वहीं, बरवाडीह-गोमो डाउन पैसेंजर, अप बरकाकाना-वाराणसी इऊट पैसेंजर और अप बरकाकाना-डेहरी ऑन सोन बीडी पैसेंजर को रद्द कर दिया गया है।

• सीआरपीएफ कैंप से 200 मीटर की दूरी पर लगाया बैनर

नक्सलियों ने खूंटी जिले के रनिया इलाके में पोस्टर व बैनर लगाया। रनिया ब्लाक चौक के पास पोस्टर चिपकाया गया। वहीं सीआरपीएफ कैंप से करीब 200 मीटर की दूरी पर बैनर बांधकर भारत बंद की जानकारी दी। यह पोस्टर भाकपा माओवादी पूर्वी रीजनल ब्यूरो की ओर से लगाया गया था। जानकारी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन ने दोनों ही स्थानों से बैनर व पोस्टर हटाए।

भूकंप के झटके हुए महसूस गुवाहाटी में, 4.1 रही तीव्रता

गुवाहाटी/एजेंसी। असम के गुवाहाटी में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, यहां करीब एक बजे भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने भूकंप की पुष्टि करते हुए बताया कि रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.1 रही। हालांकि, इस भूकंप के कारण अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अधिकारियों का कहना है कि पृथ्वी के दस किलोमीटर गहराई से उठे इस भूकंप का केंद्र कामरूप जिला रहा। इस कारण भूकंप झटके गुवाहाटी व इसके आसपास के इलाकों में महसूस किए गए। इससे पहले असम में 28 अप्रैल को 6.4 रिएक्टर का भूकंप आया था, जिसके कारण कई इमारतों को नुकसान पहुंचा था। शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। यहां रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.4 रही थी।

संक्षिप्त समाचार

61 साल के अजवानी ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक शुरू की दौड़

जम्मू। फिटनेस के बढ़ावा और जागरूकता पैदा करने के लिए अजवानी कुमार (61) ने जम्मू-कश्मीर के पटनीटॉप से कन्याकुमारी तक की मैराथन शुरू कर दी है। उनके इस दौड़ का मकसद महाराष्ट्र में आदिवासी स्कूलों के उन्नयन के लिए धन जुटाने और विकलांग सैनिकों के पुनर्वास करना है।

वह एफएबी फाउंडेशन के संस्थापक-निदेशक हैं। इस समूह को कुछ धावकों ने शुरू किया था। कुमार ने सामाजिक कारणों से कई मैराथन में भाग लिया है। इन मैराथन से जुटाई गई राशि का उपयोग वह जरूरतमंदों की मदद करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजन का मकसद आदिवासी स्कूलों को विकसित करने की कोशिश करना है।

एक नागरिक के रूप में हमारा समूह समाज के लिए कुछ करना चाहता है। उधमपुर में कुमार का कारगिल युद्ध स्मारक में पूर्व सैनिकों ने स्वागत किया गया। जहां उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक दौड़ने के पीछे के कारणों के बारे में चर्चा की।

सुविचार

आलसी का कोई वर्तमान और भविष्य नहीं है।

• आचार्य चाणक्य

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

59,636.01–372.32 (0.62%)

निफ्टी 50

17,764.80–133.85 (0.75%)

दैनिक पंचांग

वार	रविवार	
तिथि	द्वितीया	19:47 तक
नक्षत्र	रोहिणी	07:36 तक
पक्ष	कृष्ण	
योग	सिद्ध	29:49 तक
सूर्योदय	06:49	
सूर्यास्त	17:24	
चंद्रमा	मिथुन राशि में 21:10 तक	
राहुकाल	16:05-17:24	
मास	मार्गशीर्ष	
शुभ मुहूर्त	अभिजीत	11:45 - 12:27

स्वच्छता का सिरमौर बना इंदौर, कचरे से कर रहा मोटी कमाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण में इंदौर के लगातार पांचवीं बार देश भर में अव्वल रहने की बुनियाद में गीले तथा सूखे कचरे के प्रसंस्करण से शहरी निकाय की मोटी कमाई के टिकाऊ रास्ते खोजना और बड़े पैमाने पर गंदे पानी के उपचार से इसे दोबारा उपयोग किए जाने के नवाचार हैं। स्वच्छ भारत अभियान के लिए इंदौर नगर निगम (आईएमसी) के सलाहकार असद वारसी ने शनिवार को को बताया, 'शहर में औसतन 300 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) गंदा पानी उत्सर्जित होता है और अलग- अलग इलाकों में बने विशेष संयंत्रों में इसके उपचार के बाद 110 एमएलडी पानी सार्वजनिक बगीचों, खेतों और निर्माण गतिविधियों में दोबारा इस्तेमाल किया जा रहा है।' अधिकारियों ने बताया कि गंदे पानी के प्रबंधन के सर्वश्रेष्ठ इंतजामों के चलते ही स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के तहत इंदौर को देश के पहले 'वॉटर प्लस' शहर के खिताब से अगस्त में नवाजा गया था। अधिकारियों के मुताबिक स्वच्छ सर्वेक्षण के 'वॉटर प्लस' प्रोटोकॉल के दिशा- निर्देशों के अनुसार आईएमसी ने कान्ह- सरस्वती नदी और शहर में बहने वाले 25 छोटे-बड़े नालों में छूटे हुए 1,746 सार्वजनिक आउटफॉल (गंदा पानी बहने के रास्ते जिनसे यह अपशिष्ट जल स्त्रोतों में मिलता है)

आवश्यकता

झारखण्ड की उपराजधानी दुमका से संचालित 'झारखण्ड देखो' डिजिटल ईपेपर के लिए झारखण्ड के सभी जिलों से संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

संपर्क करें -9955599136

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का सदस्य बनें

संतोष सिन्हा
जिला अध्यक्ष
राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), दुमका
मो. : 8210067708

प्रभाकर प्रसाद
अध्यक्ष
राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस पार्टी झारखंड प्रदेश

मा. श्री राजा पीटर उर्फ गोपाल कृष्ण पातर
पूर्व मंत्री झारखंड सरकार

सिद्धू के बिगड़े बोल

सिद्धू ने करतारपुर में इमरान खान को कहा बड़ा भाई

• बीजेपी बोली- यह कांग्रेस की सोची-समझी साजिश

चंडीगढ़/एजेंसी।

करतारपुर साहिब में मत्था टेकने के लिए पाकिस्तान पहुंचे पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष इमरान खान एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन के मौके पर पाक सेना चीफ बाजवा को गले लगाकर विपक्ष के निशाने पर आए सिद्धू ने अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को अपना बड़ा भाई बताया है। इसका वीडियो सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी (इखढ) ने सिद्धू को घेर लिया है। करतारपुर में शनिवार

को दर्शन के लिए पहुंचे सिद्धू का यहां पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने स्वागत किया। फूल बरसाए गए और माला पहनाई गई। करतारपुर के सीईओ ने सिद्धू का स्वागत करते हुए कहा, 'इमरान खाान की ओर से आपका स्वागत करता हूं।" इस पर सिद्धू ने कहा, "इमरान खान मेरा बड़ा भाई है। उसने मुझे बहुत प्यार दिया है।"

गौरतलब है कि नवजोत सिंह सिद्धू और पाकिस्तान के पीएम इमरान खान राजनीति में आने से पहले क्रिकेटर रहे हैं और अपने देश के लिए खेल चुके हैं। ऐसे में दोनों में दोस्ताना संबंध होना लाजिमी है, लेकिन इमरान इन दिनों भारत में आतंकवाद को बढ़ाने में व्यस्त हैं। ऐसे में उन्हें 'बड़ा भाई' बताना राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पंजाब में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। बीजेपी से गठबंधन करने जा रहे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर पहले ही आरोप लगाते रहे हैं कि सिद्धू के इमरान और बाजवा से करीबी रिश्ते हैं।

बीजेपी ने इमरान को बड़ा भाई बताने को लेकर सिद्धू को घेर लिया है। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, "आज सिद्धू ने इमरान खान को 'बड़ा भाई' कहकर संबोधित किया और कहा कि मैं उन्हें बहुत प्यार करता हूं। ये करोड़ों हिंदुस्तानियों के लिए चिंता का विषय है। कांग्रेस पार्टी का ये एक प्रकार का तरीका है। सलमान खर्शीद, मणिशंकर अय्यर, राशिद अल्वी और इन सबके ऊपर राहुल गांधी, ये सभी हिंदू और हिंदुत्व को गाली देते हैं। वहीं सिद्धू पाकिस्तान के हित में बयान देते हैं। ये कोई इत्तेफाकन नहीं है।" उन्होंने कहा, "कांग्रेस के दिग्गज नेता और पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू पाकिस्तान जाएं और इमरान खान का महिमामंडन न करें, पाकिस्तान की स्तुति न करें ऐसा हो नहीं सकता।

!! HURRY !!
JOIN NOW

मित्र सेवा के साथ बनें बैंक मित्र
और बैंक मित्र बनकर करें
Aeps, DMT, MATM, Bill
Payment और Recharge
साथ ही हर ट्रांसक्शन पर कमाएं
अधिक कमीशन

अधिक जानकारी के लिए और हमसे जुड़ने के लिए सम्पर्क करें :
9151005283
9006469840

Mitr Sewa

एक बार भुगतान आजीवन व्यापार

Immediately Required

Franchise / Mitr Sewak

for working on following services on commission basis:-

- Amazon Easy store
- Mitr Digi Portal (AEPS, , DMT, ATM, RECHARGE, BILL PAYMENTS etc.)
- Online Bima for all major Bima Companies
- Online E-Store for E-Commerce
- Mutual fund, Tax filling, NPS, Share, Demat / online Trading
- Othere services

Registration Charges
2000+GST

Income opportunity of
Rs. 40,000-60,000 with les investment

Mitr Sewa Pvt. Ltd.
Vikas Sabke Dwaar

Immediately contact
Shri : Manoj Kumar
Post : Area Manager, Mitr Sewa Foundations
Mob : 9151005283, 9006469840
Email : manoj.kumar@mitrsewa.in

वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित,ससमय दोनों डोज़ लें तथा अपने आस के लोगों को भी प्रेरित करें: प्रदीप यादव

मोबाइल के माध्यम से आवेदनकर्ता को आवेदन की अद्यतन स्थिति से अवगत कराएं: उपायुक्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । सरैयाहाट प्रखंड के सालजोर बंदरी पंचायत में आपके अधिकार-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रदीप यादव भी उपस्थित थे।पंचायत के विभिन्न गांवों के लोग बड़ी संख्या में अपनी शिकायतों को लेकर कार्यक्रम में पहुंचे थे।लोगों की समस्याओं को नियमानुसार दूर करने तथा सरकार के कल्याणकारी योजनाओं से योग्य लाभुकों को आच्छादित करने हेतु विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल भी लगाये गए थे।

कार्यक्रम स्थल पर आम जनों के समस्याओं को जानने हेतु हेल्पडेस्क बनाया गया था। साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन,आपूर्ति विभाग,प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मनरेगा,अंचल (भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग),बाल विकास परियोजना,स्वास्थ्य, चिकित्सा, कृषि,विद्युत,पेयजल एवं स्वच्छता,बैंक,विधि व्यवस्था,जेएसएलपीएस ईश्रम, शिक्षा तथा परिवहन विभाग के स्टाल लगाये गए थे। लाभुकों के बीच विभिन्न विभागों के परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया।परिसम्पत्तियों को प्राप्त कर लाभुक काफी खुश थे।लाभुकों के बीच पेंशन स्वकृति पत्र,श्रवण यंत्र, ट्राई साइकिल आदि का वितरण किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि पहली सरकार है जो लोगों के दरवाजे पर आकर पेंशन,राशन सहित उनके अन्य अधिकार को देने का कार्य कर रही है।इस कार्यक्रम का मुख्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराते हुए योग्य लाभुकों को योजना का लाभ दिलाना है उन्होंने कहा कि शिक्षित लोग अपने समाज के जरूरतमंद लोगों को सरकार के कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने का कार्य करें ताकि वे योजना का लाभ ले सकें।उन्होंने कहा कि सरकार जो कहती है वो कर के दिखाती है।उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों के दर्द को समझती है,सभी के चेहरों पर खुशहाली आये इसी उद्देश्य के साथ राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों को सशक्त करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 का टीका पूरी तरह से सुरक्षित है सभी लोग जिन्होंने अब तक वैक्सीन नहीं लिया है।वे जल्द से जल्द वैक्सीन लें।दोनों डोज़ ससमय लें।टीका कोविड-19 के लिए एक बड़ा हथियार है। इस अवसर पर उपायुक्त ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का यह संकल्प है कि हर योग्य लाभुकों तक सरकार के कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाया जाए।योग्य लाभुकों तक सरकार की योजना का लाभ पहुंचा कर ही योजनाओं को सफल बनाया जा सकता है।उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है,लेकिन जागरूकता के अभाव में लोग योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं।जिसे ध्यान में रखते हुए पंचायत स्तर पर आपके अधिकार-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।पंचायत स्तर पर कार्यक्रम के आयोजन होने से पंचायत के विभिन्न गांव के लोग जो प्रखंड कार्यालय तथा जिला मुख्यालय तक नहीं पहुंच पाते हैं,उन्हें उनके पंचायत में ही योजनाओं के बारे में जानकारी देकर योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि प्रखंड स्तर के अधिकारी जनता को जनार्दन मानते हुए पूरी श्रद्धा के साथ उनके समस्याओं का नियमानुसार निराकरण करने का कार्य करें।जो भी आवेदन प्राप्त हुए हैं उक्त आवेदन के अद्यतन स्थिति की जानकारी मोबाइल के माध्यम से आवेदनकर्ता को अवगत कराने का कार्य करें। इससे पूर्व उपायुक्त ने रासिकपुर में आयोजित आपके अधिकार-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में भाग लिया।इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया तथा सभी शिकायतों को विभागवार करते हुए आवश्यक नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

संगठन को मजबूत करने पर चर्चा , विधायक बसंत सोरेन ने दिया विशेष दिशा-निर्देश

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा दुमका जिला संयोजक समिति की बैठक प्रधान कार्यालय खिजुरिया में रखा गया। बैठक में मुख्य रूप से संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की गई और 16 नवंबर से 28 दिसम्बर तक सरकार द्वारा चलाये जा रहे आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पार्टी कार्यकत्ताओं को जिला संयोजक समिति के मुख्य संयोजक बसंत सोरेन के द्वारा विशेष दिशा-निर्देश दिया गया एवं कोविड 19 कोरोना महामारी के बावजूद हेमंत सरकार द्वारा 2 वर्षों में किये गये विकास कार्यों का सराहना किया गया। इस बैठक में दुमका जिला अंतर्गत सभी प्रखंड के सक्रिय कार्यकर्ताओं का सुझाव लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से शिकारीपाड़ा विधायक नलिन सोरेन, दुमका विधायक बसंत सोरेन, केन्द्रीय महासचिव विजय कुमार सिंह, आलोक सोरेन, शिव कुमार बास्की, अब्दुल सलाम अंसारी, असीम मंडल, निशित वरण गोलदार, शिवलाल मरांडी, भैरो दत्ता, सुनीता सोरेन, अशोक चौधरी, षष्ठी नंदी, सिराजउद्दीन अंसारी, विजय मल्लाह, मसलिया प्रखंड अध्यक्ष बासु टुडू, असीत वरण गोलदार, सत्तार खान, पंचू दास, रवि यादव, रमेश कुमार रजक, मोतीउर रहमान आदि मौजूद थे।

सेवा भारती दुमका समिति का हुआ गठन,सिलाई प्रशिक्षण केंद्र खोलने पर चर्चा

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। कुम्हारपाड़ा, दुमका में सेवा भारती की बैठक प्रदीप कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित किया गया. प्रदेश संगठन मंत्री जितेंद्र के सुझाव पर यह बैठक आयोजित किया गया था। सेवा भारती दुमका में पूर्व भी संस्कार केंद्र संचालित कर रही थी, परंतु कोरोना के कारण कुछ सुचारू रूप से कार्य नहीं चल पा रहे थे । आज के बैठक में तदर्थ समिति के रूप में गठित किया गया है जिसमें कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता , सचिव संदीप कुमार मंडल , कोषाध्यक्ष बृजेश भारती एवं सदस्य के रूप में अमित कुमार पटवारी , दीपक कुमार सिंह, अनूप कुमार केसरी ,संदीप रक्षित, डॉ शर्मिला सोरेन, सुरेश कुमार सिंह , राजू कुमार चौधरी, तारा मिस्त्री , निर्मल मोनडिया, सुनील दास , गंगाधर शर्मा, मानसी अग्रवाल , अनुज आर्य बनाए गए हैं। सेवा भारती दुमका में पुनः संस्कार केंद्र, सिलाई प्रशिक्षण केंद्र खोलने पर चर्चा की गई ।अखिल भारतीय सेवा प्रमुख गुरुशरण प्रसाद के दुमका दिसंबर में आगमन होना है ,उससे पूर्व संस्कार केंद्र संचालित करने का लक्ष्य लिया गया है।धन्यवाद ज्ञापन बृजेश भारती ने दिया। यह जानकारी नवनियुक्त सचिव संदीप कुमार मंडल ने दिया।

बाल अधिकार जागरूकता रथ को उपायुक्त ने हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । आजादी का अमृत महोत्सवर के अन्तर्गत मनाए जा रहे ₹बाल अधिकार सप्ताह ₹ के अवसर पर उपायुक्त समेत जिला के अन्य अधिकारियों ने 'बाल अधिकार रथ ' को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।उपायुक्त ने बताया कि इस रथ के माध्यम से बच्चों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण से संबंधित विभिन्न कानूनी प्रावधानों के संबंध में लोगों को अवगत कराना है। इस अवसर पर प्रभारी जिला समाज कल्यण पदाधिकारी रेखा कुमारी ने बताया कि इस रथ के माध्यम से समाज में फैली विभिन्न कुरीतियों के बारे में जनजागरूक करना है। रथ के माध्यम से बाल विवाह , बाल श्रम ,मानव व्यापार तथा पोक्सो अधिनियम के बारे में लोगों

को जागरूक करना है ,साथ ही इन अधिनियमों के उल्लंघन करने पर दंड के प्रावधानों को भी प्रमुखता से बताया जाएगा।जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने बताया कि बच्चे अपने संवैधानिक अधिकारों को जान सकें तथा उन अधिकारों के हनन होने पर किनसे संपर्क किया जा सकता है, इस रथ के माध्यम से बताया जायेगा। रथ गैर सरकारी संगठन 'एक्शन एड एसोसिएशन' के सहयोग से जिले के विभिन्न प्रखंडों में चार दिनों तक भ्रमण करेगी ।इस अवसर पर बाल कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष मनोज कुमार साह, अमरेन्द्र कुमार सदस्य सिकंदर मंडल, धर्मेन्द्र प्रसाद नारायण, शकुंतला देवी , किशोर न्याय बोर्ड के पूर्व सदस्य कुमार प्रभात ,रेणु कुमारी, डीसीपीयू के विधि सह परिवीक्षा पदाधिकारी अनिल मोहन ठाकुर, बालगृह के वहीदा खातून, कुमारी आकांक्षा, काजल कुमारी , संप्रेक्षण गृह के अब्दुल गफ्फार, सुमित गुप्ता , समाज कल्याण विभाग के कर्मी, चाइल्डलाइन, पीएलवी, सिविल सोसायटी एवं बाल अधिकार पर कार्य कर रहे विभिन्न सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विवेक की हत्या का आरोपी को पुलिस ने पांच दिन बाद किया गिरफ्तार

- विवेक के मोबाइल की होगी जांच

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिध। उपराजधानी दुमका में 15 नवंबर को प्रेम प्रसंग में हरणाकुंडी के 21 वर्षीय विवेक कुमार को पहले जहर देने और बाद में पिटाई कर मार डालने की घटना के मुख्य आरोपित किशोरी के चाचा मेघू गोराई को पुलिस ने शुक्रवार की रात शिकारीपाड़ा के कुशपहाड़ी गांव में उनके जीजा के घर से गिरफ्तार कर लिया। इस हत्याकांड में किशोरी के पिता अमित गोराई व चाचा को नामजद आरोपित बनाया गया था। 16 नवंबर को ही पुलिस ने अमित की गिरफ्तारी की थी। अब हत्या के दोनों आरोपित जेल में हैं।शनिवार को मुफस्सिल थाना में जानकारी देते हुए एसडीपीओ नूर मुस्तफा अंसारी ने बताया कि विवेक अमित की किशोर बेटी से प्रेम करता था। दोनों के बीच ब्रेकअप होने के बाद भी 15 नवंबर को विवेक किशोरी से मिलने के लिए उसके विजयपुर सरूवा स्थित आवास पहुंच गया। पहले से नाराज चल रहे पिता और चाचा ने उसकी जमकर पिटाई की, जिसमें वह घायल हो गया और घटना की रात उसकी इलाज के क्रम में मौत हो गई। किसी ने पिटाई करते हुए वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। जिसके आधार पर दोनों पर हत्या का मामला दर्ज किया गया। अमित की गिरफ्तारी के बाद चाचा फरार हो गया। चार दिन से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। अंत में उसे शिकारीपाड़ा पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया गया। मौके पर थाना प्रभारी उमेश राम, एएसआइ वीरेंद्र कुमार, राजेश कुमार और अनुसंधानकर्ता वृंदावन सरदार मौजूद थे।यंहा बता दे की वायरल वीडियो में यह दिखाया गया था कि लड़की के चाचा विवेक से उसका मोबाइल छीनने का प्रयास कर रहा था। मोबाइल में ऐसी क्या चीज थी जिससे लड़की के पिता और चाचा परेशान थे। पुलिस ने जब्त मोबाइल का लाक खुलवाने के लिए तकनीकी सेल के पास भेज दिया है। लाक खुलने के बाद उसकी जांच की जाएगी। वंही जहर खुद खाया या खिलाया, अभी तक स्पष्ट नहीं मरते समय विवेक ने पुलिस को बताया था कि किशोरी के स्वजनों ने उसे जहर खिला दिया है, जबकि आरोपितों का कहना था कि विवेक ने स्वयं ही जहर खाया। इस पर एसडीपीओ का कहना है कि जहर खुद खाया या खिलाया गया, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अगर जहर खाने की बात सामने आती है तो यह पता करना कठिन होगा कि जहर कैसे उसके शरीर में पहुंचा।महिला थाना प्रभारी पर कार्रवाई के लिए लिखा जाएगा एसडीपीओ ने बताया कि महिला थाना प्रभारी प्रियंका कुमारी से लापरवाही हुई है। 13 नवंबर को किशोरी की शिकायत के बाद उन्होंने कार्रवाई करने की बजाय बांड भरकर छोड़ दिया। अगर उसी समय प्राथमिकी दर्ज कर ली जाती तो विवेक की मौत नहीं होती और वह किशोरी से छेड़खानी के आरोप में जेल में होता। थाना प्रभारी पर किस तरह की कार्रवाई होगी, इसका निर्णय वरीय पदाधिकारी के हाथ में है। उन्हें हर चीज से अवगत कराया जाएगा।

प्रमंडलीय आयुक्त ने प्रखंड कार्यालय जामा का किया निरीक्षण

अनियमितता एवं लापरवाही करने वाले पदाधिकारियों एवं कर्मियों पर नियमानुसार कार्रवाई करने एवं स्थानांतरण करने के दिए निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संताल परगना प्रमंडलीय आयुक्त चंद्र मोहन प्रसाद कश्यप ने जामा प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण किया। प्रमंडलीय आयुक्त का स्वागत प्रखंड परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। प्रखंड कार्यालय कक्ष में आयुक्त ने बारी-बारी से विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं का बिंदुवार समीक्षा की। सर्वप्रथम मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2021 के संबंध में निर्देश दिया कि निरीक्षण पंजी व्यवस्थित रूप से बनाया जाए। प्राप्त फॉर्म 6, 7 एवं 8 आवेदनो को 7 दिनों के अंदर प्रोसेस में डाला जाए। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर कार्य को समय पूरा करने का निर्देश दिया। बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों पर निगरानी रखने का निदेश दिया। ऑफलाइन एवं ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों का निष्पादन करें। विशेष कैम्प

का आयोजन कर सभी बीएलओ के फोन में गरुड़ ऐप एवं वोटर हेल्पलाइन एप्प डाऊनलोड कराने का निदेश दिया।

आयुक्त ने वर्ष 2016-17 एवं 2017-18 लंबित आवास निर्माण के कारण पूछे। आयुक्त ने बीपीओ को निर्देश दिया कि लाभुक के खाते में पहली किस्त भेजने के उपरांत जो भी लाभुक आवास का निर्माण नहीं कराएं हैं फील्ड विजिट कर आवास निर्माण कराया जाए और नहीं निर्माण कराने वाले लाभुकों पर नियमानुसार कारवाई किया जाए। आयुक्त ने कहा कि प्रखंड में सिर्फ खानापूर्ति के लिए काम नहीं करें। सरकार के पैसों का दुरुपयोग ना किया जाए। दुरुपयोग करने वाले व्यक्तियों पर नियमानुसार कार्रवाई करें। अपने कार्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें।आपूर्ति विभाग के समीक्षा के क्रम में आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी डीलर के दुकानों पर सूचना पट्ट, भंडारण सूचना एवं लाभुकों की विवरणी अंकित हो।लोगों को खाद्यान्न के साथ केरोसिन तेल भी सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही लाभुकों को मिले यह सुनिश्चित किया जाए। यूआईडी सीडिंग का कार्य जल्द से जल्द शत प्रतिशत करने का निर्देश दिया। शिक्षा विभाग के समीक्षा के क्रम में छात्रवृत्ति हेतु लगभग 7000 बच्चों के अकाउंट नहीं खुलने पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी पर नाराजगी व्यक्त की।अपने कार्यों का निर्वहन ठीक ढंग से नहीं करने हेतु प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं प्रभारी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को विभागीय कार्रवाई करते हुए स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया।साथ ही आयुक्त ने प्रखंड व अंचल कार्यालय के दस्तावेज व अभिलेखों का संचिकाओं का नियमानुसार संधारण नहीं रहने के कारण प्रखंड नाजिर का स्थानांतरण करने का निर्देश दिया।आयुक्त ने 14वें एवं 15वे वित्त आयोग से संचालित योजनाओं का स्थल जांच करने का निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारी जामा को दिया।आयुक्त ने कहा कि हर पंचायत का भौतिक निरीक्षण कर तकनीकी एवं भौतिक स्थिति का प्रतिवेदन इस माह के अंत तक प्रमंडलीय कार्यालय में बीडीओ को उपलब्ध कराने का निदेश दिया।।

आयुक्त ने निर्देश दिया कि प्रखंडों में चल रही इंदिरा आवास को अविलंब पूरा करें। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा के तहत योजनाओं में नियमों का अनुपालन करते हुए कार्यो में प्रगति लाये व कार्यो को पूर्ण करे। हर पंचायत भवन में बृहस्पतिवार को मनरेगा दिवस मनाया जाए यह सुनिश्चित हो। पंचायत भवन प्रतिदिन खुले। रोजगार सेवक एवं पंचायत सेवक पंचायत भवन में बैठे यह सुनिश्चित करें।

इसके अतिरिक्त आयुक्त ने जेएसएलपीएस, पशुधन योजना, डाकिया योजना, साड़ी धोती योजना, आम बागवानी की समीक्षा की।

इस मौके पर प्रभारी उपनिदेशक जनसंपर्क जुगनू मिंज, प्रखंड विकास पदाधिकारी,जामा एवं प्रखंड स्तर के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ में 21 नवंबर को गंगा उत्सव फेस्टिवल पांच गंगा बेसिन चलाया जायेगा

पाकुड़। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। सरकार के सचिव राज्य स्वच्छ गंगा मिशन, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड रांची के पत्रांक एवं जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के आलोक में गंगा उत्सव फेस्टिवल पांच गंगा बेसिन राज्यों में चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य नदी पुनरुत्थान एवं जल संरक्षण को लेकर जन जागरूकता एवं वातावरण निर्माण किया जाना है। उसी क्रम में 21 नवंबर को पाकुड़ जिला में संबंधित कार्यक्रम का आयोजन निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर सांसद, सांसद प्रतिनिधि, सभी विधायक, विधायक प्रतिनिधि, नगर परिषद अध्यक्ष, नगर परिषद उपाध्यक्ष, जिला परिषद अध्यक्ष, जिला परिषद उपाध्यक्ष एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्ष भाग लेंगे. इसकी जानकारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन कुमार के द्वारा दिया गया.

ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन पाकुड़ शाखा का प्रयास रंग लाया

पाकुड़। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। 16 नवंबर से दिन को 15 बजे बरहरवा तक चलने वाली स्टाफ स्पेशल ट्रेन तिल विटा तक चलाई जा रही थी, जिससे आम यात्रियों एवं रेलवे स्टाफ को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था. इस बाबत ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन पाकुड़ शाखा के शाखा सचिव संजय ओझा ने कर्मचारियों को होने वाली असुविधा के प्रति संजीदगी दिखाते हुए रेल मंडल प्रबंधक हावड़ा मनीष जैन, वरिष्ठ मंडल अभियंता समन्वय, सुनील कुमार यादव, मंडल परिचालन प्रबंधक, रोशन कुमार को दूरभाष पर स्थिति से अवगत कराया. साथ ही व्हाट्सएप के माध्यम से स्थिति को स्पष्ट किया. रेल प्रशासन ने उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए उक्त स्टाफ स्पेशल ट्रेन को 19 नवंबर से तीन पहाड़ तक चलाने का निर्णय लिया जिससे रेलकर्मी काफी खुश दिखे एवं इससे आम यात्रियों को भी राहत मिलेगी. शाखा सचिव ने बताया की सभी स्टाफ स्पेशल ट्रेन को नियत समय पर चलाने हेतु भी आग्रह किया गया है. इस इस पर रेल प्रशासन ने समाधान हेतु विस्तार पूर्वक चर्चा करने के लिए मंडल कार्यालय हावड़ा ने एक बैठक बुलाने की बात कही है. अतः आने वाले समय में सभी स्टाफ स्पेशल ट्रेन के नियत समय पर चलने की संभावना है. शाखा सचिव ने बताया कि ऐसी किसी भी समस्या को रेल प्रशासन के समक्ष रखा जाएगा जिससे आम रेल कर्मी को असुविधा होगी.

पाकुड़िया प्रखंड के बसंतपुर पंचायत में आपके अधिकार आपकी सरकार शिविर का आयोजन

पाकुड़। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। पाकुड़िया प्रखंड के बसंतपुर पंचायत में शनिवार को आयोजित आपके अधिकार आपकी सरकार शिविर पर भूमि सुधार उपसमाहर्ता रविन्द्र चौधरी की लंबी प्रतीक्षा फरियादियों को दो घंटे तक करनी पडी। शिविर का उदघाटन दीप प्रज्वलित कर एवं स्टॉल का मुआयना कर किया । हालांकि प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार एवं अंचलाधिकारी किरण कुमार डांग अपने सहकर्मियों के साथ अपने पूर्व निर्धारित समय पर पहुँच कर शिविर का संचालन शुरू कर दिया था और फरियादियों की समस्याएं सुन भी रहे थे साथ ही समस्याओं का त्वरित निपटारा भी करते जा रहे थे । शिविर में लगे वृद्धावस्था पेंशन स्टाल पर पेंशन के हकदार लोगो ने आवेदन देकर वृद्धापेंशन स्वीकृति करने की गुहार लगाई। मनरेगा स्टाल पर मजदूरों को नया जॉबकार्ड बनाकर दिया गया। दर्जनों किसानों को बीडीओ ने किसान क्रेडिट कार्ड दिया। साथ ही झारखंड सरकार द्वारा जारी प्रशस्ति पत्र को बीडीओ मनोज कुमार, प्रमुख सुशीला एवं सीओ किरण डांग ने पंचायत के मुखिया बीटी हांसदा एवं ग्राम प्रधानों को देकर सम्मानित किया। शिविर में पहुँचे दर्जनों गरीबो व वृद्धजनों के बीच कम्बल का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की लगी स्टॉल पर मेडिकल टीम के सदस्यों ने लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में बीपीओ जगदीश पंडित, सांसद प्रतिनिधि खुर्शेद आलम, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा सहित दर्जनो गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

डीडीसी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़। उप विकास आयुक्त अनमोल कुमार सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आपके अधिकार-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के क्रियान्वयन व शत प्रतिशत कोविड-19 टीकाकरण को लेकर चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। डीडीसी ने वर्तमान में चल रहे कोविड वैक्सीनेशन व इसके ऑनलाइन इंट्री के समीक्षा के क्रम में डीडीसी द्वारा संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया गया कि तीव्र गति से वैक्सीनेशन व कोविन पोर्टल पर इसके ऑनलाइन इंट्री का कार्य करना सुनिश्चित करें। साथ ही सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी इस बात का विशेष रूप से ध्यान दें कि फिजिकल डाटा एवं कोविन पोर्टल पर इसके ऑनलाइन इंट्री संबंधी डाटा में अधिक अंतर न हो। इसके लिए आवश्यकता अनुरूप अन्य कर्मियों की भी मदद लेते हुए ऑनलाइन इंट्री का कार्य कराया जाए। डीडीसी द्वारा आगे कहा गया कि सभी लोग मिशन मोड में कार्य करें एवं शत-प्रतिशत कोविड टीका से लोगों को आच्छादित करना सुनिश्चित करें। इस दौरान डीडीसी ने अब तक आपके अधिकार-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से किए गए शिकायतों के निष्पादन, ऑनलाइन दर्ज किए गए सभी आवेदनों की संख्या एवं परिसंपत्तियों के वितरण आदि कार्यों के वस्तुस्थिति की समीक्षा करते हुए प्राथमिकता के अधार पर मामलों के निष्पादन का निर्देश दिया गया।

इसके अलावे डीडीसी ने आपके अधिकार-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से आए हुए सभी आवेदनों की ऑनलाइन इंट्री संबंधित कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया. साथ ही जिला स्तर पर गठित टीम द्वारा समस्याओं का समाधान व निष्पादन की गति को निरंतर बेहतर बनाये रखने का निर्देश दिया। आगे उन्होंने पंचायतों में लगने वाले शिविर में सभी संबंधित विभागों को सुयोजित तरीके से कैम्प लगाने का निर्देश देते हुए सभी वरीय पदाधिकारियों/प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को कैम्प का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। डीडीसी ने कहा कि आपके अधिकार-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से शिकायतों के निष्पादन, योजनाओं से नए लाभुकों को लाभांवित करना और परिसंपत्तियों का वितरण करना है, इसका खास ख्याल रखते हुए कैम्प का शिविर का आयोजन करें, साथ हीं धान अधिप्राप्ति एवं ई श्रम रजिस्ट्रेशन हेतु अलग से स्टॉल आवश्य लगाएं। बैठक के दौरान डीडीसी ने प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचल अधिकारी को निर्देशित किया कि आपके अधिकार-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करें, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा सके। साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी के अलावा शिकायतों का निष्पादन के साथ योग्य लाभुकों को जोड़ते हुए सरकारी योजनाओं के लाभ से आच्छादित भी किया जा सके। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान डीडीसी ने कार्यक्रम के दौरान रोजना आने वाले शिकायतों के निष्पादन और उसके डाटा एंट्री को लेक-र सभी प्रखंडो के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यक्रम के दौरान चिन्हित स्थलों पर कम्प्यूटर ऑपरेटर और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित कर ले, ताकि आने वाले आवेदनों को ऑनलाइन अपलोड किया जा सके। डीडीसी ने जिला के अधिकारियों को एक्टिव होकर कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि राज्य सरकार द्वारा जिले के सभी पात्र व्यक्तियों की समस्याओं का निराकरण करते हुए अहर्ता रखने वाले लाभुकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराया जा सके। इस कॉन्फ्रेंस में जिले के सभी पदाधिकारी एवं सभी बीडीओ, सीओ एवं एमओआईसी समेत अन्य उपस्थित थे।

कोरोना काल के दौरान काम करने वाले कोरोना योद्धाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड मुख्यालय स्थित डाक बंगला परिषर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. लोगों को कोरोना काल के दौरान कम करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में बीडीओ कुमार दिवेश द्विवेदी, बीईईओ श्रीकांत ठाकुर, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रेम कुमार मंरण्डी, एएनएम सहित स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।बीडीओ कुमार देवेश द्विवेदी ने कोरोना काल में काम करने वाले कर्मी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि कोरोना काल के दौरान लोग इसके नाम से ही डर रहे थे, उस विपरीत स्थिति में हमारे जुझारू डाक्टर और स्वास्थ्य कर्मीयो ने अपना कीमती समय देकर अपने जान की परवाह न करते हुए लोगों की सेवा किया। लोगों को नियमों का पालन अभी करना होगा। मौके पर बीसीओ अभय कुमार, कनीय अभियंता जयराज कुमार, बीपीआरओ जिल्लूर रहमान, तेजस्वनी परियोजना के जगदीश कुमार, सीएचओ, पिरामल स्वास्थ्य से समीम अख्तर, सीएचओ सहित सभी एएनएम उपस्थित रहे।

जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर बुथों का निरीक्षण किया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़। जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद कुमार ने मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को विभिन्न बुथों का निरीक्षण किया गया। उन्होने बताया कि निर्वाचन कार्यों के लिए विशेष कैंप लगाया गया है। प्रपत्र 6,7,8 एवं प्रपत्र 8(क) जानकारी अपने फार्म रखें। उन्होने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की आरे एक जनवरी को अर्हता तिथि मानते हुए फोटो मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम जिले में क्रियाशिल है। 5 जनवरी 2022 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाना है। उन्होने ग्रामीणों से मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को सतत रूप से सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की, ताकि 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का मतदाता सूची में नाम जोड़ा जा सके। उन्होने कहा कि आपके पास लोकतंत्र की शक्ति है, इसका स्वच्छ एवं निष्पक्ष रूप से प्रयोग करें।

दोस्ती सप्ताह के अंतर्गत दोस्त बनाओ कार्यक्रम आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । दोस्ती सप्ताह के अंतर्गत दोस्त बनाओ कार्यक्रम आयोजन किया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चाइल्ड लाइन दोस्ती सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है जिसमें पाकुड़ के उपविकास आयुक्त पाकुड़ एवं पुलिस उपाधीक्षक पदाधिकारी पाकुड़ और जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पाकुड़ को दोस्ती बैंड बांधा गया एव साथ में 1098 के बारे में भी बताया गया की यह एक 24 घंटा चलने वाले आपातकालीन सेवा है जो दिन रात चलती है. इसके अलावा चाइल्डलाइन कॉलैब पाकुड़ के टीम द्वारा जानकारी दी गई की प्रत्येक वर्ष ये कार्यक्रम 1 सप्ताह तक चलाया जाता है. जिनमे बच्चों को उनके अधिकारों को बताने एवं उन्हें जागरूक कर समाज की मुख्य धारा से जोड़ना तथा बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए चलाया जाता है.

यह कार्यक्रम 14 नवम्बर से 21 नवम्बर तक आयोजन किया जाना है. प्रत्येक दिन अलग-अलग जगह पर कार्यक्रम कर बच्चों को उत्साहित किया जायेगा. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से चाइल्ड लाइन कार्यक्रम चलाया जा रहा है. जिसका निःशुल्क सहायता फोन नंबर 1098 डायल कर लिया जा सकता है. बच्चों से सम्बंधित किसी प्रकार की सहायता हेतु इस नंबर पर सहायता प्राप्त की जा सकती है. उपस्थिति उर्मिला विश्वास, आरती देवी, श्रीनाथ भंडारी, शिवकुमार रविदास, मल्लिका प्रमाणिक, सीमा विश्वास, मो मंगरू अंसारी मौजूद थे.

महंगाई की मार के चलते थाली से गायब हो रही सब्जियां

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़। (विनोद कुमार दास)। जिले में फल सब्जियों के साथ ही रसोई गैस के दामों में लगातार वृद्धि के कारण रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। महंगाई से गरीबों की थालियों से सब्जियां गायब होती जा रही हैं। बारिश के बाद सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। इन दिनों बाजार में टमाटर 80 रुपये किलो, प्याज 40, आलू 25, लौकी 40, गोभी 50 रुपये किलो बिक रही है। हालांकि कुछ सब्जियों के दाम 10 से 20 रुपये तक घटे भी हैं। मगर जो सब्जी लोगों के लिए जरूरी है, उसी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में गरीब और मध्यम वर्ग के सामने सब्जियां खरीदने में मुश्किल हो रही है। महंगाई ने लोगों को परेशान कर रखा था। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के मूल्य तो बढ़ ही रहे हैं, इसके साथ ही सब्जियां भी महंगी हो गई हैं। सब्जियों के महंगे होने का कारण पिछली बारिश में फसलें नष्ट होना माना जा रहा है। इन दिनों बाजार में टमाटर 60 रुपये किलो, प्याज 40, आलू 25, लौकी 40, गोभी 50 रुपये किलो बिक रही है। हालांकि कुछ सब्जियों के दाम 10 से 20 रुपये तक घटे भी हैं। मगर जो सब्जी लोगों के लिए जरूरी है, उसी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में गरीब और मध्यम वर्ग के सामने सब्जियां खरीदने में मुश्किल हो रही है। महंगाई के कारण सब्जियों के मेल न खाने से लोगों का स्वाद ही बिगड़ गया। अब भी ऐसी उम्मीद नजर नहीं आ रही है कि सब्जियों के दामों में गिरावट आएगी। लोग एक किलो सब्जी की जगह आधा ही किलो ले जा रहे हैं। पहले एक किलो सब्जी खरीदते थे अब महंगाई के चलते आधा किलो से काम चलाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि बदलते मौसम में बीमारियां भी चरम पर फैली हुई है ऐसे में मरीजों के लिए फल व सब्जियां खरीदना मजबूरी हो गई है। जिले के क्षेत्र में सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। वहीं सब्जी विक्रेता ने बताया कि अबकी बार क्षेत्र में सब्जियों की पैदावार में काफी कमी आई है। जिसके चलते बाहर से ही सब्जियां मंगवानी पड़ रही हैं। डीजल और पेट्रोल के मूल्य में वृद्धि के कारण माल भाड़ा बढ़ गया है जो सब्जियों की महंगाई का मुख्य कारण है।

फरसा पंचायत में दादपुर में लगा जनता दरबार, सुनी गयी समस्याएं

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़। सदर प्रखंड के दादपुर पंचायत में आपका अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जनता दरबार लगाया गया। जनता दरबार मे बीडीओ सफीक आलम, सीओ आलोक वरण केसरी, बीपीओ ट्विकल चौधरी श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार सहित कई विभागों के प्रखंड स्तरीय अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि झामुमो के महमूद आलम कांग्रेस के देबू विश्वास एवं ग्रामीण मौजूद थे। जनता दरबार मे मौजूद विभागीय अधिकारी ने अपने अपने विभागों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को ग्रामीणों को बताया एवं उसका लाभ उठाने की अपील की गयी। जनता दरबार में आये लोगो ने वृद्धा पेंशन,राशन वितरण सहित कई समस्याओं को रखते हुए इसका निदान निकालने की मांग की। मौके पर श्रम अधीक्षक ने असंगठित कामगारों का ई श्रम पोर्टल पर हो रहे रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रेशन के बाद श्रम कार्ड के जरिये मिलने वाली सरकारी मदद की जानकारी दिया। बीडीओ सफीक आलम ने कहा कि सरकार जरूरतमंदों को उनका हक दिलाने के लिए ग्रामीण की चौखट पर पहुंच रही है। बीडीओ ने कहा कि कृषि, मत्स्य, पशुपालन के अलावे मनरेगा, पीएम आवास, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, फुलो झानो आशीर्वाद योजना, सोना सोवरन धोती साड़ी योजना आदि विकास एवं कल्याणकारी योजना से लोगो को लाभान्वित कर उनके जीवन स्तर में बदलाव लाने का काम कर रही है। जनता दरबार मे कृषि विभाग ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में बताया एवं उसका लाभ उठाने की अपील की. वही आपके अधिकार आपके सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का चौथा दिन फरसा पंचायत में झामुमो जिला अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, विधायक प्रतिनिधि देबू बिश्वास, प्रखंड विकास पदाधिकारी शफीक अहमद एवं अंचल अधिकारी आलोक बरन केसरी द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का किया. इस कार्यक्रम में सरकार की कल्याणकारी योजना के बारे में लोगों को जानकारी दिया, साथ ही परसा पंचायत के लोगों का समस्या का निष्पादन किया गया. झामुमो जिला अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, विधायक प्रतिनिधि देबू विश्वास, पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी सफीक अहमद, अंचल अधिकारी आलोक बरन केसरी द्वारा मनरेगा के तहत गा-रंटी रोजगार योजना के लिए जब कार्ड का वितरण किया गया. गरीब असहाय महिला बुजुर्ग को कंबल का वितरण किया गया साथ ही मनरेगा योजना के तहत स्वीकृत योजना का वर्क आर्डर दिया गया. इस पश्चात विभिन्न विभाग का स्टॉल लगाकर वृद्धा पेंशन योजना, आवास योजना, मछली पालन योजना, ऋण माफी योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, कृषि योजनाओं का निष्पादन के लिए तरित कारवाई किया गया और दाखिल खारिज हेतु लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. मुख्यमंत्री खाद्य सुरक्षा योजना के तहत वंचित लोगों का राशन कार्ड के लिए आवेदन लिया गया. सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव विधायक प्रतिनिधि देबू विश्वास प्रखंड विकास पदाधिकारी सफीक अहमद अंचल अधिकारी आलोक बरन केसरी ने हेमंत सरकार के 2 साल मैं किए गए कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को बारीकी से समझाया और कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी के नेतृत्व में काफी अच्छा कार्य हो रही है। राज्य की हेमंत सरकार द्वारा यहां के आदिवासी व मूलवासी के रोजगार की दिशा में सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि हर प्राइवेट कंपनी को रोजगार के क्षेत्र में यहाँ के निवासियों को 75 प्रतिशत आरक्षण देने की योजना की शुरुआत की गई है। यहां के शिक्षित बेरोजगारों के लिए 25 लाख रुपये तक कि ऋण की व्यवस्था की गई है। राज्य सरकार द्वा-रा धोती साड़ी योजना की शुरुआत की गई है जिसके तहत हरेक कार्डधारी को 10 रुपये में साड़ी व धोती मिलती है। सरकार द्वारा झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राशन कार्ड से वंचित 15 लाख लोगों को हरा राशनकार्ड बनाकर खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ा गया। राज्य की हेमंत सरकार ने झारखंड के सभी वृद्ध को पेंशन योजना का लाभ देने का निर्णय लिया है इस प्रक्रिया को सरल बनाते हुए एपीएल बीपीएल कार्ड और 14 सूत्र की बाध्यता समाप्त कर दी गई इस महत्वपूर्ण योजनाएं बारीकी से समझाया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष मुस्लेउद्दीन शेख, अल्पसंख्यक सचिव वीरेंद्र घोष, वसीम अकरम, युसूफ खान, एहदिन शेख, पूर्व मुखिया गुलाम रसूल सह सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे.

Azadi Ka Amrit Mahotsava : Janjatiya Gaurav Divas

The Santal Insurrection of 1855-1856

A Saga of Struggle and Violence for Self-Rule

Dr.Dinesh Narayan Verma, Historian

(jharkhand dekho/desk) Historically the Santal Insurrection of 1855-1856 was a saga of great sacrifices and armed struggles of the tribals, dalits and backwards of the region for self-rule. The insurrection, therefore ,marked a turning phase in the history of the Santal Parganas constituted after its suppression by the act of XXXVII, Decemeber 1855.Before the great assemblage of ten thousand Santals of more than four hundred villages on 30 June 1855 at Bhaganadih in Barhait block of Sahibganj district, many petitions were sent by the Santals to local and higher officials of the East India Company Government to redress their grievances against moneylenders, landlords, police and staffs of judiciary and revenue department. But no attention was paid to any of the petitions submitted by the Santals then they decided on "a corporate march of all Santals to Calcutta, the capital, with the intention of appealing in person to the Governor –Governor of India." (Stephen Fuchs 1965:50-51) According to Stephen Fuchs, " First they sent cups filled with oil and vermillion, or branches of the Sal tree, from village to village, to placate the spirits and to call the Santals together for this march. About 30,000 Santals together with their wives and children, obeyed the summons and assembled at Bhaganadihi in June 1855 to march under the leadership of Sido and Kanhu in a body to Calcutta and to place their petition of grievances before the Governor-General in person."(Stephen Fuchs1965:51) It was "the last of legal actions before armed struggle began. Once the avenues for legal protest and dialogue with the colonial authorities severed, the Santals proclaimed that the land was theirs and that British rule had come to an end."(Susana B.C.Devalle 1992.Discourses of Ethnicity, Sage Publications ,New Delhi,p-123) As the march to Calcutta was longer and not easy, their provisions soon exhausted that forced them to " plunder some markets." This gave an opportunity to mahajans who instigated Daroga of Dighee Thana(Borio Bazar) for police action. The Daroga rashly interrupted Sido and Kanhu,the leaders of the insurrection and others at Panchkathia near Barhait and tried to arrest the four brothers (Sido,Kanhu,Chand and Bhairab) and others "on a false charge of dacoity"(The Calcutta Review,1856:245-246).The action of the Daroga created very critical and tense situation ,and he "ordered them to be tied, but on the contrary the Manghees tied him,Seedoo with his own hand dispatched him with a sword ,and Kanoo slew Manik Chowdri one of the foremost of the moodees (shop-keepers) present. Their followers attacked some burkundazes and other moodees, nine men in all were killed ,and the rest of the Darogah's party fled precipitately." (The Calcutta Review,1856:246) This happened on 7th July 1855, this was the first open violence against the foreign rule and according to colonial author W.W. Hunter(1975:240), " From this day—the 7th of July---the rebellion dates." But an impartial interpretation of the events historically display that the rebellion actually dated from 30th June 1855 when the Santals had assembled at Bhaganadih and unanimously decided to march to Calcutta with their wives and children. It was a great historical march, first of its kind in regional history of the region, as "The bodyguard of the leaders alone amounted to 30,000 men."(Hunter1975:238) Hunter observed, " Indeed ,the movement could not be distinguished at first from one of their great national processions, headed by the customary drums and fifes. Want drove them to plunder , and the precipitate outrage upon the inspector of police changed the whole character of the expedition."(1975:240) But the colonial author denounced the changing and his colonial perception displayed in his observation, " The offensive but only half tamed highlander had tasted blood, and in a moment his old savage nature returned."(Hunter1975:240) No, it was not old savage nature of the tribe instead remembrance of " the golden era of their history ,namely, the time when they lived in Champa, in absolute independence and had no rent or tribute to pay, but only to bring a small annual offering to their leaders

in virtue of their office" (McPherson1909:38) McPherson rightly pointed out that "Ordinarily Sonthals are quite and contented, but when any grievance rankles in their minds, the spirit of unrest arises and their leaders or self interested agitators appeal to the ancient traditions of the race and the hope of independence."(1909:38) It inspired them, so they came together and successfully sought and got active support from local people. Noted Missionary L.O. Skrefsrud noted that " The movement so originated drew to it all those whose patriotism was stimulated by the recollection of their suffering at the hands of usurers and the police; but the fundamental idea at work and that which was stimulated to be put in practice was the establishment of a Sonthal realm and kingdom."(McPherson1909:38) Devalle rightly pointed out that "The yearning for an independent kingdom was reinforced by the belief, which antedated the movement ,that a powerful independent Santal kingdom had existed in the past."(Devalle1992:124) Eventually it created strong armed challenge of tribals ,dalits and backwards to the foreign rule and it was marked by "scenes of inhuman cruelty."(Stephen Fuchs 1965:51) McPherson informs that the Santals " proclaimed war against mahajans, zamindars and all rich Bengalis."(1909:37) According to Stephen Fuchs, " The most brutal outrages were committed on the Bengalis whom the Santals regarded as their main enemies. But they also murdered police officers and even innocent people ,whom they met on the way. Santals who refused to join the rebels were also killed." Within about a month, i.e. July 1855, the many villages burned, "under the excuse that they were full of booty,"(Devalle1992:124) ,property looted, people killed, and a large part of the country devastated. Devalle informs that "The consistent pattern in the choice of targets for insurgent violence indicates the existence both of consensus among the participants regarding who their enemy was and a precise organization. The most frequent targets were the moneylenders and the merchants. Starting in 1854 With Bir Singh's actions ,the insurgents pillaged the houses of the rich. When the struggle became openly anti-colonial, Government representatives ,the police, the railways' high employees and the army, were added to the list. Several Europeans were killed, Bengalis were threatened, houses in some villages were looted and burnt,markets pillaged,and zamindars,local rajas and centres of trade in indigo attacked.In July 1855 the Santals made their goal of self-rule explicit."(Devalle1992:123-124) F.B.Bradley-Birt(1905) mentioned gruesome gradual killing of the zamindar of Narayanpur, against whom "the Santals had many old scores.."(The Story of An Indian Upland,Smith,Elder & Co.15 Waterloo Place,London,p-198;see also L.S.S.O'Malley,1938.Bihar District Gazetteerws:Santal Parganas,Superintendent,Government Printing,Bihar,Patna,pp58-59) After these violence ,the Company Government and its civil and military officials realized the seriousness of the insurrection and by the end of July 1855, all available troops were mobilized and sent against the Santal rebels.

Undoubtedly the Government forces had superior arms, ammunitions and strategy but the Santals fought with exemplary courage and bravery with "their primitive weapons against the rifles" of Company's soldiers. They killed "the Santals in great numbers and also resorted to the burning of the Santal villages and destruction of all grain stores with the intention of staving the rebels into submission. Even then many of them retreated to into the jungles where more fell prey to hunger and exposure."(Stephen Fuchs1965:52) According to official version of Colonial administration, Mr.Pontet, the superintendent of Damin-i-koh attempted to use his influence with the Santals of Damin, but found his efforts in vain and reported in July 1855 for military aid for his safety. The Hill Rangers stationed at Bhagalpur advanced to Colgong (Kahalgaon) but on 16th July 1855 they were defeated by the Santals at Pyalapur (near Pirpainti in Bhagapur) with the loss of their sergeant-major and 25 men. According to McPherson, " The rebels then got out of hand and committed numerous acts of atrocity, butchering many of the mahajans who had hold them for so many years in a state of bondage."(1909:37)The Company's troops also burnt and destroyed many Santal villages and destroyed "all the crops accessible."(E.G.Man1983.Sonthalia and the Sonthals, Mittal Publications,Delhi,p117,first published in 1867,Geo Wyman & Co.,London) Man rightly noted that "The causes that gave rise to the rebellion ,with the prior inactivity to give the Sonthals redress, and the stringent measures afterwards taken, form a dark blot on the pages of British History in India."(1983:117) McPherson gave an official account of suppression of the insurrection: "…the Hill Rangers were speedily reinforced by European troops and native infantry and by the end of August (1855) they had cleared the country on the Bhagalpur side of Santhal insurgents, inflicting a serious defeat upon them at Sangrampur. East of the hills Rajmahal was saved by the exertions of Mr.Vigors,Railway Engineer ,who fortified his residence there .On the Murshidabad side Mr.Toogood, Magistrate of the district, brought up troops from Berhampur on the 24th of July(1855).Further operations against the rebels were postponed on account of the rains. There were still about 30,000 of them under arms, and they began to display renewed activity, especially on the Birbhum side. Martial law ,at first refused by the Government of India, was proclaimed on 10th November, over Bhagalpur right of the Ganges, Murshidabad right of the Bhagirathi and the whole Birbhum district. The disturbed country was then swept by some 8,000 troops under command of major-General Lloyd and Brigadier-General Bird and by the last day of the year the rebellion was officially declared to be at an end. Martial law was suspended on the 3rd of January 1856."(McPherson 1909:37) Devalle concluded, " The escalation of repression finally forced up to 30,000 Santals to take refuge in the jungles. Local zamindars, ghatwals and the police added the counter –insurgency forces, which were also helped by funds provided by the indigo planters. The collaboration of planters and zamindars in the repression was, ironically ,in the last instance funded by the income from the peasants' own work….More than 10,000 Santals died in this unequal war."(p-124) Most of the ringleaders were ultimately captured , summarily tried and hanged. It is to be noted that the Newspapers published from Calcutta,Samvad Prabhakar,Samachar Sudhadarshan, Hindoo Patriot,Friend of India,Bengal Hurkaru etc. in its various contemporary issues also reported in detail the struggles and violence during the Santal Insurrection of 1855-1856. The Bengal Hurkaru in its issue dated 16 October 1855 reported "having burned down 80 Sonthal villages.." Thus the insurrection was marked by struggles and violence for self-rule and the militant Santals continued their efforts for self-rule even after brutal suppression of the insurrection

(The author is a retd. prof of SKM Uni. Dumka and an specialist of Regional History of Santal Parganas.Add.Shiv Mandir,Chandmari Road,(Uttarpalli),Rampurhat-731224 District Birbhum,West Bengal)

कुख्यात कोयला तस्कर की तलाश में उसके कई ठिकानों पर छापेमारी

धनबाद। पिछले कई दिनों से फरार चल रहे कुख्यात कोयला तस्कर मैनेजर राय की तलाश में विशेष टीम ने उसके कई ठिकानों पर छापेमारी की ।राय की तलाश में दबिश देने पहुंची विशेष टीम में रांची और दिल्ली के भी कुछ वरीय अधिकारी शामिल थें।

पुलिस की विशेष टीम ने मैनेजर राय के बंगाल और झारखंड स्तिथ अलग अलग कई ठिकानों पर एक साथ धावा बोला। मैनेजर राय के घर और उसके कई प्लांट में जाकर पुलिस टीम ने चप्पे चप्पे की तलाशी ली। इस दौरान मैनेजर राय तो नही मिला लेकिन पुलिस को उसके ठिकाने का अहम लीड हासिल हुआ है जिसके आधार पर अब आगे की छापेमारी की तैयारी की जा रही है।

इतना ही नही मैनेजर राय की तलाश में जुटी पुलिस को छापेमारी और जांच के दौरान कई ऐसे अहम सुराग भी हाथ लगे हैं जो आने वाले दिनों में मैनेजर राय के साथ साथ उसके कई करीबियों के लिए मुसीबत साबित हो सकती है।

बताया जाता है कि कोयला चोरी और तस्करी के मामले में घिरे मैनेजर राय अब न सिर्फ पुलिस की रडार पर है बल्कि इसपर आयकर विभाग ने भी अपनी नज़रे टेढ़ी कर दी है।

सूत्रों की माने तो मैनेजर राय के काले साम्राज्य की जड़े तलाशने का जिम्मा एक आईएएस अधिकारी को सौंपा गया है। मैनेजर राय के मोबाइल को खंगालने के बाद अब कई और लोग जांच के दायरे में हैं। मैनेजर राय की जांच में जुटे अधिकारी को जो सबूत हाथ लगे हैं उससे कई कोयला कारोबारी और कुछ चुनिंदा पत्रकार भी बेनकाब हो चुके हैं। माना ये जा रहा है कि मैनेजर राय के सम्पर्क में रहकर लाभ लेने वाले कई और चहेरे आने वाले दिनों में बेनकाब होंगे।

क्षणिकाएँ

(1)
वो
देश में
बढ़ती महंगाई पर,
बेरोजगारी पर,
गरीबों की परेशानी पर,
बहुत दुःखित है,
यकीन मानिये
हद से ज्यादा
बिगड़ते सामाजिक स्वास्थ्य पर
मंत्री , नेता आदि सभी
चिंता कर रहे है;
निगोरे मुखौटे देखो कैसे
लोकतंत्र के 'तंत्र ' में
कर षड्यंत्रकारी छेद-विच्छेद,
संधि- समास को ढकेल
सियासी खेल रहे है,
व्यवहारिकतः
शतरंजी चाल चल सब अपनी खाली झोली भर रहे है।

(2)
वो
समाज में,
हर व्यवहार को सांस्कारिक व
मानकपूर्ण होता हुआ हमेशा
देखना चाहते है,
ऐसा नित्य लोगों से
उम्मीद जताते है;
मगर
यथार्थ में,
खुद को कभी
पूर्वाग्रहों से बाहर,
संकीर्णताओं से दूर,
निष्पक्षता के मानदंड पर ,
फैसला यथार्थ नही कर पाते है।

(3)
वो,
गुणात्मक जीवन शैली के वास्ते,
उन्नत संस्कारों के नाते,
शिक्षा में,
व्यापक सुधार चाहते है,
सबका प्यार चाहते है,
सबके सम्मान को,
सबसे सहयोग मांगते है,
दृढ़ संकल्पित होकर
समर्थन की उम्मीद करते है;
पर वो,
शायद ही कभी,
उनके दिए सुझावों पर ,
सलाहों पर अमल करते है,
मनोग्रस्त विकृति से मजबूर वो
अपने बातों को श्रेष्ठ समझते है,
बिडम्बना यह भी देखिए,
इमेन्स पावर का भय दिखाकर
भ्रम, व्यामोह का ओढ़ चादर
प्रेरणास्रोत बन चलते है।

(4)
वो,
समाज में,
बढ़ती अराजकता, लूट, अधर्म,
हिंसा, घोटाले, चोरी, दुष्कर्म से,
काफी चिंतित परेशान है;
जिसे देख लज्जित होती मानवता,
औ' दुःखित होते होंगे भगवान भी,
देख नजरिया यह कि,
देखो कैसे,
चंद सिक्को के खातिर
बेच रहे लोग अपना
सब ईमान ,धर्म है , औ'
बचा रहे गुनहगारों की जान है।

प्रस्तुति

डॉ विनोद कुमार शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
सचिव
विश्वविद्यालय तनाव प्रबंधन प्रकोष्ठ
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग,
सिकामु विवि, दुमका।

मनरेगा नियुक्ति में आरक्षण घटाने पर छात्रों ने सौंपा बाबुलाल को मांग पत्र

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। अनुसूचित जनजाति के छात्रों ने शानिवार को सूबे के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को मांग पत्र सौंपकर मनरेगा में संविदा के आधार पर होने वाली नियुक्ति मे आरक्षण घटाने पर नाराजगी जताई है।छात्रों ने बताया कि ग्रामीण विकास अभिकरण दुमका द्वारा 20.10.2021 को मनरेगा के अतंगर्त सहायक अभियंता ,कम्प्यूटर सहायक, लेखा सहायक, ग्राम रोजगार सेवक की संविदा के आधार पर नियुक्ति मे अनुसूचित जनजाति आरक्षण के कोटा मे कटौती की गई है।पहले यही बहाली निकाली गई थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से रद्द कर दिया गया था। पूर्व में ग्रामीण विकास अभिकरण के पत्रांक 25 मे अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में सहायक अभियंता मे 5 पद ,लेखा सहायक मे 4 पद ,कम्प्यूटर सहायक मे 4 पद एवं ग्राम रोजगार सेवक मे 40 पद स्वीकृत किया गया था।जो वत्तमान मे बहाली निकली गई है, उसमे अनुसूचित जनजाति का रिक्त पद सहायक अभियंता हेतु 01 पद ,कम्प्यूटर सहायक हेतु 02 पद,लेखा सहायक हेतु 02 पद,ग्राम रोजगार सेवक हेतु 28 पद स्वीकृत किए गए है। अनुसूचित जनजाति के आरक्षण मे भारी कटौती की गई है। अनुसूचित जनजाति के 20 पद घटा दिए गए है जिसे सामान्य वर्ग मे जोड़ दिया गया है। मांग पत्र में कहा गया है कि अनुसूचित जनजाति का पद घटाना कही से भी न्याय संगत नहीं लगता है।छात्रों ने कहा कि जिलावार नियुक्ति मे अनुसूचित क्षेत्र जिला रोस्टर लागू होना चाहिए।छात्रों की भावनाओं से अवगत होने के बाद विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने छात्रों को आश्वासन दिया कि वह उपायुक्त महोदय से इस मसले पर बात करेंगे।मौके पर श्यामदेव हेम्ब्रम, सलीम मरांडी,शिवलाल मरांडी,परिमल हेम्ब्रम, संदीप सोरेन आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

विद्यालय में दिया गया डहर ऐप से संबंधित प्रशिक्षण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखण्ड मुख्यालय के प्रखंड संसाधन केंद्र सभागार एवं कन्या मध्य विद्यालय जामा के प्रशिक्षण कक्ष में शनिवार को डहर ऐप से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें डहर ऐप डाउनलोड कर प्रखंड अंतर्गत सभी विद्यालयों के पोषक क्षेत्र में स्थित सभी हाउसहोल्ड के इंफॉर्मेशन को डालने एवं विद्यालय से बाहर बच्चों का सभी प्रकार की जानकारी डाले जाने का प्रशिक्षण दिया गया एवं उसे स्ट्रीम में कैसे लाया जाए इसकी भी जानकारी दी गई .साथ ही डहर ऐप के पोर्टल में सभी दस्तावेज की जानकारी कैसे डालना है इन सभी प्रकार के बिंदुओ पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण मध्य विद्यालय अमलाचातर के शिक्षक राकेश सिंह एवं प्रखंड के डाटा एंट्री ऑपरेटर मुनेश्वर मंडल एवं एमआईएस कोऑर्डिनेटर अब्दुल वहाब अंसारी के द्वारा दिया गया । इस दौरान अभिमन्यु पौद्दार, नलिन सिन्हा सुशील कुमार सोरेन सहित वैसे सचिव एवं शिक्षक जो एंड्राइड मोबाइल चलाने में निपुण है स्टैंडिंग प्रशिक्षण में भाग लिए।

घर में निकला कोबरा, परिवार एवं ग्रामीणों में दहशत

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत परगड्डी गांव में शनिवार शाम प्रदीप साह के घर में एक विशालकाय कोबरा निकलने से परिवार एवं ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है। अजगर निकलने से परिवार एवं ग्रामीण दहशत में हैं.घर में अचानक कोबरा को देख कर घर वाले डर गए और इसकी सूचना जामा थाना प्रभारी को दी।जामा थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा सूचना मिलते ही सांप को पकड़ने के लिए डीएफओ वन विभाग दुमका को जानकारी दे दी गई है।

विद्यालय परिसर में आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गोपीकांदर प्रखंड अंतर्गत मुसना पंचायत के जीतपुर प्राथमिक विद्यालय परिसर में शनिवार को आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, बाल विकास, पेंशन, स्वास्थ्य एवं पोषण, ई - श्रम कार्ड, कृषि विभाग समेत कई योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाया गया था। शिविर में पेंशन, आवास , राशन कार्ड, जांब कार्ड, समेत कई योजनाएं के लिए लाभुकों ने आवेदन जमा किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी आनन्द कुमार झा ने बताया कि लाभुकों के द्वारा जमा आवेदन पर जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।मौके पर प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी सुनील कुमार चौधरी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी रवि प्रकाश, समेत कई कर्मचारियों उपस्थित थे।

बीडीओ ने किया मतदान केंद्र धानभाषा का निरीक्षण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रानीश्वर में शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने पूर्व निर्धारित-आपके, अधिकार-आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल होने यहां धानभाषा पंचायत पंहुच कर कई मतदान केंद्रों के प्रशासनिक तैयारीयों का जायजा लिया.मतदान केंद्र संख्या 182 मध्य विद्यालय धानभाषा के आधार भूत संरचना की जानकारी ली हैं.साथ ही पंचायत सचिव सह प्रभारी पंचायती राज पदाधिकारी हरिसाधन दत्त को कई आवश्यक सुझाव दिया है ।

टैंकर और बोलोरो की टक्कर में एक नवजात की मौत, तीन घायल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा थाना क्षेत्र के दुमका पालाजोरी मार्ग पर कमारदुधानी अमलाचातर के नजदीक मनका चक में टैंकर और बोलेरो की जोरदार टक्कर में एक नवजात शिशु की मौत हो गई जबकि तीन घायल हो गए हैं। सभी घायलों को फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका में भर्ती कराया गया है, जिसमे एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी बताया जाता है। सभी को दुमका के फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी प्राप्त होते ही थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह एएसआई अनंत शर्मा एवं अन्य पुलिस कर्मीयों ने घटनास्थल पहुंचकर घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कालेज पहुचाया। घटना स्थल पर मौजूद दोनों वाहनों को जब्त कर थाना लाने की कारवाई की जा रहीं हैं। मिली जानकारी के अनुसार रामगढ़ के कुसियाम गांव से नवजात बच्चे का शुभ दिन मुहूर्त करके ग्रामीण कंडरासाल आ रहे थे उसी दौरान दुर्घटना हो गई.प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवीण मंडल गंभीर रूप से घायल हो गए है जो देवघर जिले के सारवा थाना क्षेत्र अंतर्गत करौं गांव के निवासी है। मृत नवजात बच्चे की मां रीना देवी एवं चालक शनि मंडल तीनो का इलाज फूलो झानो मेडिकल कालेज अस्पताल में चल रहा है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यकाल में ही चांदो प्रखंड का निर्माण होगा: काशीनाथ केवट

बेरमो कार्यालय

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आठ माह पहले विधानसभा के पटल पर नए प्रखंडों के निर्माण का वायदा किया है .राज्य में बननेवाले प्रखंडों के साथ चांदो प्रखंड का भी निर्माण अवश्य होगा. यह बातें शुक्रवार को प्रखंड निर्माण समिति के अध्यक्ष काशीनाथ केवट ने चांदो पंचायत भवन में आहूत एक बैठक में कही . उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड के सुदूर गाँवों में निवास करनेवाले लोगों की कठिनाइयों से वाकिफ है इसीलिए विधानसभा में उन्होने आगे बढ़कर कहा था कि राज्य की भौगोलिक स्थिति अलग है. झारखंड पठारी इलाका है. प्रखंड कार्यालय दूर रहने से लोगों को परेशानी होती है. सरकार नये प्रखंड बनाने के लिए पूरे राज्य का सर्वे करायेगी और इसके मद्देनजर ही नए प्रखंडों के निर्माण किया जाएगा. श्री केवट ने माँग किया है कि नए प्रखंडों के सृजन की प्रक्रियाओं को तेजी से निपटाकर एक वर्ष की अवधि में ही इसे अंजाम दिया जाय .कहा कि अब चांदो प्रखंड के निर्माण की आकांक्षा रखनेवाले ग्रामीणों के सपने पूरे होनेवाले हैं .उन्होने कहा कि राज्य गठन के बाद से ही चाँदो प्रखंड के सृजन के मुद्दे को लेकर लोग आंदोलनरत हैं . इसके निर्माण से बारह पंचायतों का अपेक्षित विकास होगा और रोजगार के अवसर पैदा होंगे .उन्होने कहा कि राज्य बनने के बाद 53 नए प्रखंडों का निर्माण हुआ लेकिन बेरमो क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की उपेक्षात्मक रवैये के कारण चांदो प्रखंड नहीं बन सका .अब यहाँ की जनता जागरूक है यही कारण है कि इस मुद्दे ×को मुख्यमंत्री समेत कई जनप्रतिनिधियों नें इसे गंभीरता से लिया है . सितंबर 2020 को वित्तमंत्री डॉ रामेश्वर उरांव नें अपने चांदो दौरे के क्रम में चांदो को प्रखंड बनाने की पहल करने का आश्वासन दिया था .कहा कि गोमिया विधायक डॉ लम्बोदर महतो ने इस सवाल को विधानसभा के सत्र में उठा चुके हैं और गत अगस्त माह में बड़कागांव के विधायक अंबा प्रसाद ने भी चांदो आकर इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने का वादा किया है .अब हाल ही में बेरमो विधायक कुमार जयमंगल ने भी चांदो प्रखंड निर्माण कराने की बातें कही .बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि दिसंबर माह में चांदो प्रखंड निर्माण समिति एक विशाल जनसभा का आयोजन जनतांत्रिक आंदोलन का घोषणा करेगी. जनसभा में इस मुद्दे का समर्थन करनेवाले झारखंड सरकार के मंत्रियों और विधायकों को आमंत्रित किया जाएगा. बैठक की अध्यक्षता निवर्तमान मुखिया राजेन्द्र नायक ने किया जबकि संचालन जनक प्रसाद भगत ने किया . मौके पर निवर्तमान पंसस कुलदीप सिंह, महिला अध्यक्ष लक्ष्मी देवी, अमर सिंह ,विद्यासागर मुर्मू, बीशेश्वर सिंह, अब्दुल कयूम , कजली देवी, उर्मिला देवी, किंकर सिंह, मदन मांझी, अमृत सोरेन, सुरेश नायक, जयप्रकाश मांझी, घनश्याम नायक, करीम अंसारी, निरंजन नायक, नारायण सिंह, लालमोहन नायक, नागेश्वर सिंह , लखिंदर मरांडी आदि उपस्थित थे।

दो अलग-अलग स्थानों से दो मोटरसाइकिल चोरी

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के असनागांव से रानीश्वर थाना क्षेत्र के रहने वाले दो लोगों की मोटरसाइकिल अलग-अलग जगहों से अज्ञात चोरों कर ली गई है. शिकारीपाड़ा पुलिस ने मोटरसाइकिल मालिकों के लिखित बयान पर दो अलग-अलग मामला दर्ज किया है। रानीश्वर थाना क्षेत्र के चपुड़िया गांव निवासी मिस्त्री मुर्मू के अनुसार वह 19 नवंबर 2021 को असना गांव के संतोष हेंब्रम के घर पर कुछ कार्य से गया था.उसके घर के बाहर मोटरसाइकिल रखकर अंदर गया.कुछ देर बाद जब घर वापस जाने के लिए बाहर निकला तो हीरो स्पलेंडर मोटरसाइकिल गायब थी.जिसका नंबर जेएच 04/9140 है.पुलिस ने मिस्त्री के बयान पर थाना कांड संख्या 153/21 ,19-11-21 भादवि की धारा 379 के तहत मामला दर्ज कर लिया है.वही रानीश्वर थाना क्षेत्र के आसनबनी गांव निवासी दिलीप कुमार पाल के अनुसार वह 19 नवंबर 2021 को असना मेला देखने के लिए गया था.लंबू पाल के घर के सामने अपनी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल जिसका नंबर जेएच 04 एच /6357 है का लॉक तोड़कर अज्ञात चोर ने चुरा लिया .काफी खोजबीन के बाद भी मोटरसाइकिल नहीं मिली.दिलीप के बयान पर शिकारीपाड़ा पुलिस ने थाना कांड संख्या 152/21 ,19/11/21 भादवि की धारा 379 के तहत मामला दर्ज कर जांच कार्य शुरू कर दिया है.

बिष्णुगढ़ प्रखंड गाल्होवार सड़क की हालात ख़राब गीली और गड्ढे सड़क दे रही है बड़े हादसा की नेवता

● गीली और गड्ढे सड़क से ग्रामीण व आम परेशान

हज़ारीबाग। विष्णुगढ़ - प्रखंड के गाल्होवार दुर्गा मंदिर समीप पेंक आवाजाही मुख्य सड़क की हालात खराब गीली और गड्ढे सड़क दे रही है बड़े हादसा की नेवता। गली और मोहल्ले में नाली या किसी प्रकार की सुविधा ना होने पर ग्रामीणों ने सड़क पर पानी बहाने पर प्रतिदिन होते हैं मजबूर. लगभग घरों की दूषित पानी की बहाव से 24 घंटा मुख्य सड़क पर पानी जमाव रहती हैं।जिससे वाहनों की आवाजाही के साथ -साथ गाल्होवार मामार्केटिं करने आने वाले ग्रामीणों व आम लोगो को लगभग 4-5 किलोमीटर दूर काफी परेशानियों का सामना कर पैदल चलकर आना पड़ता। साथ ही स्कूली विद्यार्थियों को भी पाठ्य भवन आने जाने में सड़क के मुश्किलें और परेशानियों की सामना करनी पड़ती है खास छोटे बच्चों को गीली और गड्ढे सड़क से काफी डर और भय बनी रहती है। ट्रैक्टर सवारी जैसे अन्य वाहनों को फसने और पलटने की डर की भावना बनी रहती है। ग्रामीणों ने इस समस्या से जल्द से जल्द छुटकारा दिलाने की मांग सरकार से की है

शुक्रिया आपका बाबूलाल जी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी से लगभग एक साल के बाद शनिवार को दुमका परिसदन में मुलाकात हुई। जब भी मेरी कोई पुस्तक प्रकाशित होती है मैं उन्हें एक प्रति अवशय देता हूँ और वे हमेशा उसपर मेरे हस्ताक्षर को स्वीकर करते हैं।इस उपन्यास ₹सरकार बाबू₹ की रचना ळीँ ळी'िंस्त्रँ के एक पत्रकार गौतम सरकार, जो संथाल परगना में मेरे साथ काम करते थे, को केन्द्रविन्दु में रखकर की गई है, जिसमें बाबूलाल मरांडी के शुरुआती कार्यकाल और शिबू सोरेन की झारखंड के प्रति उपलब्धियों के अलावा जमुई की एक आदिवासी लड़की दीपा मुर्मू की बेहद ही दुःखद कथा है, जिसका पर्दाफाश 1996 में गौतम सरकार ने ळीँ ळौंर [illegible] में किया था।यह उपन्यास छोटी जगहों पर काम करने वाले उन पत्रकाओं से जुड़ी हैं जिन्हें लोग अक्सर नकारा समझते हैं, किन्तु कभी कभी वे वह कर जाते हैं जो बड़े से बड़े पत्रकार भी नहीं कर पाते।उम्मीद है बाबूलाल जी, आपको यह किताब पसंद आएगी।

भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी एक समर्थक के यहां किया भोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)/महेशपुर(पाकुड़)। झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सह भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार शाम को अचानक महेशपुर के गढ़बाड़ी स्थित आनंन्द झा के आवास पहुंचे। जहां पूर्व मुख्यमंत्री श्री मरांडी के निजी समर्थक होने के नाते पाकुड़ जिला परिषद उपाध्यक्ष मुकेश शुक्ला समेत परिवार संग भोजन किया। जिससे उनके समर्थकों व आनंन्द झा के घरवाली के बीच खुशी का माहौल व्याप्त है। जानकारी देते हुए आनंद कुमार झा ने शनिवार को बताया की पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी के साथ उनका एक अलग ही पहचान है और भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री से दूरभाष के माध्यम से बातचीत हुई थी की कार्यक्रम के पश्चात भोजन का आनंद उनके आवास में करेंगे। बाबूलाल जी के उनके आवास पर पहुंचने के साथ ही परिवार के सदस्यों ने उनका जमकर स्वागत किए एवं उनको प्रेम पूर्वक भोजन भी कराएं जिससे गरबारी के लोगों में उनके भोजन किए जाने से गवरी के लोगों ने काफी खुशी का माहौल था।

अभी किसानों का आंदोलन पर डटे रहना इस बात का गवाह है

वर्तमान मोदी सरकार अपना भरोसा खो चुकी है: सुशील मरांडी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों कृषि कानून के काला दिल को वापस लेने की घोषणा की यह किसानों और कांग्रेस के के लिए बड़ी जीत मानते हुए दुमका जिला कांग्रेस ने किसान विजय दिवस के रूप में मनाया। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी के वरीय नेता सुशील मरांडी ने कहा कि कृषि कानून के वापस लेने की पीएम की घोषणा के बाद भी, किसानों का डटे रहने का फैसला पुष्टि करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जुबान की कीमत नहीं बची है । वर्तमान भाजपा सरकार अपना भरोसा खो चुकी है उन्होंने कहा कि किसान तब तक नही हिलेगें, जब तक सांसद इन कानूनों को खत्म करने की अंतिम परिक्रिया नही कर देती है ।भाजपा की चालाकियां करने वाली सरकार, अपनी क्रेडिबिलिटी खो चुकी। किसानों का रुख इसका गवाह है। मरांडी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार जो भी नियम में बनाती है उस पर उन्हें पीछे जाना पड़ता है चाहे वह भूमि अधिग्रहण बिल हो देश के पुराने कानूनों को हटाने की बात हो सभी पर सरकार अध्यादेश लाकर वापस आती है यह इस बात का गवाह है सरकार के पास कोई दीर्घकालीन रणनीति नहीं है वह तत्कालीन फैसला लेते हैं राजनीतिक लाभ उठाने के लिए इस मौके पर महेश राम चंद्रवंशी, संजीत सिंह, अरविंद कुमार यादव, अली इमाम टिंकू, शहरोज शेख, सौरभ कुमार समेत कई कांग्रेसी मौजूद थे।

पपीता खाने के सिर्फ फायदे नहीं, कई नुकसान भी हैं

ज्यादातर लोगों को पपीता बहुत पसंद होता है। कुछ लोग इसे खाली पेट खाना पसंद करते हैं, तो कुछ सलाद के रूप में खाते हैं तो वहीं कुछ लोग शरीर की डिटॉक्सिंग के लिए पपीते का जूस पीते हैं। पपीते में ढेर सारे औषधीय गुण मौजूद हैं और यह ऐंटीबैक्टेरियल और ऐंटीफंगल के रूप में काम करता है। इतना ही नहीं इसके पत्ते डेंगू बुखार से लड़ने में भी इस्तेमाल किए जाते हैं। इतने गुणों से भरपूर पपीते का नकारात्मक पक्ष भी है। आखिर क्यों, महिला और पुरुष दोनों के लिए समान रूप से पपीता सर्वश्रेष्ठ फल नहीं है...

गर्भपात का जोखिम

एक फल के रूप में पपीता के कई लाभ हैं लेकिन इसके बीज और जड़ गर्भपात का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा, कच्चा पपीता खाने से गर्भाशय के संकुचन का खतरा हो सकता है। हालांकि यह खतरा पके हुए पपीते में बहुत अधिक मात्रा में नहीं होता, बावजूद इसके गर्भावस्था के दौरान पपीता नहीं खाना चाहिए।

फूड पाइप में रुकावट

ज्यादातर लोग इस बात को लेकर आश्वस्त रहते हैं कि पपीता उनके लिए सबसे अच्छा फल है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि आप इसे बहुत अधिक मात्रा में खाएं। अधिक पपीता खाने से आपके इसाफ़गस यानी भोजन की नली में रुकावट आती है और नली को नुकसान पहुंच सकता है। एक दिन में एक कप से अधिक पपीता न खाएं।

जन्मजात दोष

पपीता के पत्तों में पेपीन पाया जाता है जो बच्चे के लिए विष हो सकता है और यहां तक कि इससे जन्मजात दोष भी हो सकता है। स्तनपान के दौरान पपीता खाना कितना सुरक्षित है इस बारे में भी अब तक बहुत कुछ पता नहीं चल पाया है। लिहाजा बच्चे के जन्म से पहले और जन्म के बाद भी जब तक मां, बच्चे को अपना दूध पिलाती है उन्हें पपीता खाने से बचना चाहिए।

एलर्जी की आशंका

पपीता में मौजूद लेटेक्स की वजह से कुछ लोगों में ऐलर्जी हो सकती है। कच्चे पपीते में लेटेक्स की मात्रा ज्यादा होती है ऐसे में एक बार फिर कच्चा पपीता जोखिम भरा फल हो सकता है।

ब्लड शुगर को कम करता है

पपीता खाने से ब्लड शुगर कम हो सकता है। ऐसे में अगर आप ब्लड प्रेशर नियंत्रित करने के लिए दवा खा रहे हैं, तो पपीते का सेवन आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है।

प्रजनन क्षमता पर असर

पपीते के बीज का अर्क पुरुषों में प्रजनन क्षमता को कम कर सकता है। ऐसा कहा जाता है कि यह शुक्राणुओं की संख्या को कम करता है। यहां तक की शुक्राणुओं की गतिशीलता को भी प्रभावित करता है।

विषाक्तता

पपीता के कई स्वास्थ्य लाभ हैं लेकिन इसका अधिक सेवन विष के समान हो सकता है क्योंकि इसमें बेंज़लि आइसोथायोसाइनेट यौगिक पाया जाता है।

इन आदतों की वजह से चेहरे पर निकल आते हैं पिंपल्स

नैचुरल ग्लों ही चेहरे की असली खूबसूरती है। चेहरे पर मुंहासे हो जाएं तो मेकअप से इन्हे छुपाना भी मुश्किल हो जाता है। बार-बार स्किन पर होने वाले ये पिंपल्स परेशानी का कारण बन जाते हैं और कई बार इनकी वजह समझ पाना भी परेशानी में डाल देता है। आप भी इसी तरह की किसी परेशानी से जूझ रहे हैं तो हो सकता है इनकी वजह आपकी ही कुछ गलतियां हो। जिसके कारन बार-बार पिंपल्स परेशान कर रहे हैं।

मीठे का ज्यादा सेवन

अपने आहार में जरूरत से ज्यादा मीठा खाने से भी चेहरे पर मुंहासे होने लगते हैं। चेहरे को पिंपल फ्री रखना चाहते हैं तो मीठा खाना कम कर दें।

एक्सरसाइज के बाद न नहाना

कुछ लोग रोजाना जिम में एक्सरसाइज करते हैं। इसके बाद थकावट या फिर आलस की वजह से नहाते नहीं। स्किन पर जमी गंदगी जब साफ नहीं होती तो पिपंल होने शुरू हो जाते हैं।

मसालेदार खाने के सेवन

कुछ लोग मसालेदार खाना ज्यादा पसंद करते हैं। जो पिंपल की खास वजह है। चेहर पर नैचुरल ग्लो बनाएं रखना चाहते हैं तो कम मिर्च मसाले वाले खाना का सेवन करें।

हाइजीन न रखना

स्किन और बालों की सफाई रखना बहुत जरूरी है। बालों में जमा गंदगी रूसी का कारण बनती है। जिससे स्किन के पोर्स बंद होने शुरू हो जाते हैं। इससे मुंहासे होने लगते हैं।

जंक फूड

पिज्जा,बर्गर,न्यूडलस जैसे जंक फूड खाने से स्किन प्रॉब्लम होनी शुरू हो जाती है। स्किन हैल्दी रखना चाहते हैं तो जंक फूड का सेवन कम करें।

स्मोकिंग

धूम्र पान करने से स्किन को पूरी ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। जिसका असर स्किन पर देखने को मिलता है। इससे पिंपल्स होने लगते हैं।

डेनिम पहनना चाहते हैं तो यह रहे कुछ अलग हट कर स्टाइल

डेनिम एक ऐसा परिधान है, जिसे किसी भी मौसम में बेहद स्टाइलिश तरीके से पहना जा सकता है। शायद यही कारण है कि चाहे लड़के हो या लड़कियां, यह किसी की पहली पसंद बना हुआ है। डेनिम की जींस से ले कर जंपसूट यहां तक कि जैकेट्स भी कभी भी फैशन से आउट नहीं होते। अगर आपके पास भी डेनिम जैकेट्स का कलेक्शन है तो आज हम आपको उन्हें पहनने के कुछ अलग व स्टाइलिश तरीके बताते हैं। यह तरीके न सिर्फ आपके डेनिम जैकेट्स को और भी स्टाइलिश बनाएंगे, बल्कि इससे आपका भी मेकओवर हो जाएगा-

डबल डेनिम लुक

यह एक ऐसा लुक है, जो काफी ट्रेंडी व पॉपुलर है। साथ ही यह लुक लड़के हो या लड़कियां सभी पर सूट करता है। अगर आप भी डबल डेनिम लुक कैरी करने का सोच रहे हैं तो आपको कलर्स पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उदाहरण के तौर पर, लाइट वॉश डेनिम-केट के साथ डॉर्क ब्लू जींस पहन सकते हैं या फिर डार्क कलर्ड जैकेट के साथ लाइट ब्लू जींस भी पहनी जा सकती है। अगर आप जींस नहीं पहनना चाहतीं तो आप शॉर्ट्स व जैकेट का कॉम्बिनेशन भी कैरी कर सकती हैं।

हो जाओ कलरलेस

ऐसा जरूरी नहीं है कि आप अपने लुक को कलरफुल बनाने के लिए अलग-अलग कलर्स का सहारा लें। अगर आप किसी खास कलर के लिए क्रेजी नहीं हैं तो आप डेनिम को व्हाइट कलर के साथ भी कैरी कर सकती हैं। इस लुक के लिए आप अपर व लोअर वियर में व्हाइट कलर ही पहनें व अपनी डेस के ऊपर आप डेनिम जैकेट पहनें। जहां तक बात अपर व लोअर वियर की है तो आप शर्ट व टीशर्ट से लेकर शॉर्ट या जींस कुछ भी पहन सकती हैं। आप अपने इस लुक को मैटेलिक सैंडल्स व फंकी एसेसरीज की मदद से कंप्लीट कर सकती हैं।

मिक्स एंड मैच

पिछले काफी समय से फैशन के गलियारों में मिक्स एंड मैच व नए-नए एक्सपेरिमेंट्स को काफी तवज्जो दी जाती है। यह लुक न सिर्फ क्रिएट करने में काफी आसान होता है, बल्कि इसमें आपको एक्सपेरिमेंट करने के लिए काफी ऑप्शन भी मिलते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपनी डेनिम जैकेट को फ्लॉरल टॉप या ड्रेस के ऊपर कैरी कर सकती हैं। अपने लुक को एन्हॉन्स करने के लिए आप प्लेटफॉर्म शूज व छोटा फ्रिंज पर्स भी अवश्य कैरी करें।

ओपन नहीं बटन जैकेट

आमतौर पर जैकेटस को ओपन ही पहना जाता है, लेकिन अगर आप थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना चाहते हैं तो ओपन जैकेट की जगह बटन वाली जैकेट का चयन करें। आप इस बटन जैकेट को ब्लू स्किनी जींस के साथ कैरी करें। अगर आप कलर की मोनोटोनी तोड़ना चाहते हैं तो ब्लू के स्थान पर ब्लैक या अन्य किसी अपने पसंदीदा कलर का चयन करें। इस लुक में आपकी जैकेट एक शर्ट लुक ले लेती है, जो देखने में काफी अच्छा लगता है। वहीं लड़कियां इस लुक को जींस के अतिरिक्त मैक्सी के साथ भी ट्राई कर सकती हैं।

परियों जैसी खूबसूरती पाने के ये हैं आसान तरीके

वैसे तो सभी महिलाऐं बहुत खूबसूरत होती है। पर कहा जाता है कि ब्राजील और रूस की महिलाओं की बात ही कुछ अलग होती है, वह अत्यंत ही खूबसूरत होती है। कभी सोचा है आखिर ऐसा क्यों..? कुछ तो भगवान ने उन्हें खूबसूरत बनाया होता ही हैं और बाकी कुछ वह अपने ब्यूटी सीक्रेट्स के माध्यम से बनती है। तो इसीलिए ही आज हम आपके लिए लाए है कुछ ऐसे की ब्यूटी सीक्रेट्स जो आपको देंगे एक गॉर्जियस लुक

डार्क सर्कल्स से छुटकारा

डार्क सर्कल्स से छुटकारा पाने के लिए आपको एक बहुत ही सरल काम करना है। आलू को स्लाइसेस में काटे और दोनों आँखों पर एक-एक स्लाइस रख और करीबन 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसे एक हफ्ते में एक बार दोहरायें और करीबन 5 हफ्तों में आप अपने आँखो के डार्क सर्कल्स को कम होता महसूस कर सकेंगे।

यू करें होम मेड स्क्रब

एक ग्लोइंग फेस और स्किन के लिए ट्राय करें होम मेड स्क्रब्स। एक बाउल में थोड़ी सी ब्राउन शुगर, नारियल का तेल और पानी की कुछ बूँदें मिला कर एक स्क्रब बना लें और उसे फेस पर लगा लें।

दांतों के लिए नमक और सरसों का तेल

एक खूबसूरत चेहरे के साथ ये भी बहुत जरूरी है की आपके दांत बिलकुल सफेद हो, और इसीलिए दांतों की सफेदी के लिए अपनाएं नमक और सरसों के तेल, दांत चमकाने का ये नुस्खा काफी पुराना है। बस चुटकी भर नमक में 2-3 बूंदें तेल की मिलाकर दांत साफ करें।

अपनी बॉडी को करें डीटॉक्स

सुबह उठते ही सबसे पहले हल्के गर्म पानी में निम्बू मिला कर पियें, ये आपको अपनी बॉडी को डीटॉक्स करने में मदद करता है जिससे की आपकी स्किन ग्लोइंग हो जाती है।

कुछ महत्वपूर्ण चीजें

घर से बाहर निकलने से पहले मॉइस्चराइजर, परफ्यूम लगाना ना भूले, ये आपको धुप से बचाते हैं, और आपको सारा दिन फ्रेश रखते हैं।

खूबसूरत रिलेशनशिप के लिए इन बातों का रखें खास खयाल

रिश्ता कैसा भी हो लोग उसे निभाने के लिए अपनी तरफ से हर कोशिश करते हैं. लेकिन कुछ रिश्ते खास होते हैं, जिनकी शुरुआत होते ही हर किसी को एक अलग और नई खुशी का एहसास होने लगता है. हम यहां बात कर रहे हैं एक रिलेशनशिप की, जिसमें आपकी जिंदगी में किसी ऐसे शख्स की एंट्री होती है, जो आपके लिए सबसे खास बन जाता है. लेकिन एक मजबूत रिश्ते के लिए उसकी नींव का भी मजबूत होना जरूरी होता है. नींव का मतलब यहां रिलेशनशिप की शुरुआत से है. यह सबसे ज्यादा जरूरी होता है कि आपका रिलेशनशिप कैसे शुरू हुआ. रिलेशनशिप में आते वक्त आपने अपने बॉयफ्रेंड या फिर गर्लफ्रेंड की किन आदतों से प्यार हुआ. ऐसा क्या था जो सामने वाला शख्स आपके दिल के इतने करीब आ गया. आइए हम आपको बताते हैं कि किस तरीके से आप अपने रिलेशनशिप को परख सकते हैं कि वह वाकई में मजबूत है या फिर इसमें अभी भी कुछ अधूरा रह गया है.

पहला कदम

हम जानते हैं कि प्यार कभी सोच समझकर या फिर दिमाग से नहीं किया जा सकता है. लेकिन अगर आप एक मजबूत और

लंबे रिलेशनशिप में जाना चाहते हैं तो अपना पहला कदम लेने से पहले एक बार सोचना बेहतर होगा. सामने वाले की कुछ आदतों को ही जानकर फैसला लेना ठीक नहीं होगा. खुद को और इस बढ़ते रिलेशनशिप को थोड़ा सा टाइम दें.

देखें जिंदगी में आ रहे बदलाव

जब आप किसी रिलेशनशिप में आते हैं तो आपकी जिंदगी में कई तरह के बदलाव भी आते हैं. अगर ये बदलाव अच्छे हैं तो चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन अगर आपको लग रहा है कि आप रिलेशनशिप में जितना आगे बढ़ रहे हैं खुद को उतना ही खोते जा रहे हैं तो इसका मतलब है कि आपका रिलेशनशिप आपकी पहचान को खत्म कर रहा है. यह जरूरत से ज्यादा बदलाव आपके लिए खतरनाक भी हो सकता है.

शक करना भी जायज?

एक मजबूत रिश्ते के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है भरोसा, कहते हैं कि अगर भरोसा न रहे तो रिलेशनशिप में कई तरह की परेशानियां आती हैं. लेकिन एक रिश्ते में हेल्दी शक होना भी उतना ही जरूरी है जितना एक दूसरे के लिए भरोसा करना. अपने पार्टनर को जरूर स्पेस दें, लेकिन अंधा विश्वास करना भी कभी-कभी घातक सिद्ध होता है. इसीलिए थोड़ा बहुत शक या पजेसिव होना भी आपके लिए सही है.

एक दूसरे के साथ बिताएं वक्त

आमतौर पर देखा जाता है कि लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में उतनी ज्यादा परेशानिया नहीं होती हैं, जितनी साथ रहने वाले रिलेशनशिप में होती है. लेकिन अगर आप अपने पार्टनर से मिलते जुलते हैं तो यह आपके रिश्ते के लिए काफी अच्छा है. इससे दोनों को ही एक दूसरे का बारे में कई बातें पता चलती हैं. यही बातें छोटी-मोटी नोकझोंक का भी कारण होती हैं. लेकिन इससे कहीं न कहीं आपके रिश्ते में एक मजबूती आती है. इसीलिए जितना हो सके एक दूजे के साथ वक्त बिताएं.

रेसिपी

गुड़ का हलवा

सामग्री

3/4 कटोरी आटा, 1/4 कटोरी रवा, 1/2 कटोरी घी, 1 1/2 कटोरी गुड़ या गुड़ का बूरा (बाज़ार में उपलब्ध), पानी, आवश्यकतानुसार, 2 टेबलस्पून कटे हुए ड्राय फ्रुट्स + सजाने के लिए अतिरिक्त

विधि

एक पैन में घी डालकर धीमी आंच पर गर्म करें. अब इसमें रवा डालकर दो मिनट भूनें। फर आटा डालकर धीमी आंच पर आटे के रंग बदलने और खुशबू आने तक (लगभग 15 मिनट) भूनें। जब यह अच्छी तरह भुन जाए तो इसमें ड्राय फ्रुट्स डालकर एक मिनट और भूनें। अब इसमें पानी डालें (लगभग 3 कटोरी) और अच्छी तरह चलाएं, ताकि गांठें न बनने पाएं। फिर गुड़ डालकर अच्छी तरह मिलाएं। चलाती रहें, जब हलवा तली से अलग होने लगे आंच से उतार लें। ड्रायफ्रुट्स से सजाकर गर्म-गर्म परोसें।

काजू-मक्खनवाला पनीर

सामग्री

1 टेबलस्पून तेल, 1 टेबलस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 40 ग्राम काजू का पेस्ट, 3 टेबलस्पून मगज पेस्ट (बाजार में उपलब्ध), 2 टीस्पून कसूरी मेथी, 2 टीस्पून मक्खन, 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टेबलस्पून जीरा पाउडर, 1 टेबलस्पून गरम मसाला पाउडर, 20 मिली क्रीम + 10 मिली सजाने के लिए, 2 टेबलस्पून मक्खन, 400 ग्राम पनीर, चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ।

विधि

एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालें। अब काजू और मग़ज पेस्ट डालकर कुछ मिनट तक चलाएं। बचे हुए मसाले डालकर कुछ देर और चलाएं। 20 मिली क्रीम और मक्खन डालें। अच्छी तरह मिलाएं। सर्व करने से पहले पनीर के टकडे डालें। क्रीम से सजाएं और सर्व करें।

सर्दियों में करवाएं कैंडल मेनिक्योर-पेडिक्योर, जानिए क्या हैं इसके फायदे?

सर्दियां आने वाली हैं और इस बदलते मौसम के साथ ही हमारी त्वचा भी सूखी और बेजान होने लगती है। ऐसे में त्वचा को अधिक देखभाल की जरूरत होती है। बहुत सी महिलाएं अपने चेहरे की देखभाल तो कर लेती हैं लेकिन हाथों और पैरों पर इतना ध्यान नहीं दे पाती, जबकि सर्दियों में हाथों और पैरों को अतिरिक्त मॉश्चराइजर की आवश्यकता होती है। ऐसे में आप कैंडल मेनिक्योर-पेडिक्योर करवा सकते हैं। आईए जानते हैं ड्राई स्किन के लिए कितनी फायदेमंद है ये थैरेपी।

इस ट्रीटमेंट में कुछ खास तरह से बनाई गई कैंडल्स को गलाया जाता है और फिर इनका इस्तेमाल स्किन पर स्क्रब और क्रीम के रूप में किया जाता है। यह डैड स्किन को हटाकर उसे अतिरिक्त नमी प्रदान करती है, जिससे आपके हाथों और पैरों की त्वचा सर्दियों में भी नमी युक्त रहती है। इस कैंडल में जोजोबा ऑयल, कोकोआ बटर, विटामिन ई और आवश्यक तेलों को मिश्रण होता है। यह त्वचा को पोषण देने और त्वचा सेल के पुनर्जनन का शानदार तरीका है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक - डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से संचालित, संपादक - डॉ. सिकंदर कुमार (फोन नं. 9955599136) RNI Title code-JHAHIN01027